संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 345
पृष्ठ 8
शुक्रवार
06 सितम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- चाणक्य नीति के इन ४ ...

विचार- भाजपा को परेशानी में डालता...

खेल- दलिप ट्रॉफी २०२४ में अक्षर पटेल...

एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प को समृद्ध करेगा रामनाथ स्वामी मंदिर : सीएम योगी

- सीएम योगी ने कहा- अयोध्या धाम और तमिलनाडु का एक विशेष रिश्ता है जो हजारों वर्षो की परंपरा को दशार्ता है
- अयोध्या धाम एक नई गति के साथ दुनिया की सबसे आध्यात्मिक और सुंदरतम नगरी के रूप में होगा स्थापितः सीएम योगी

अयोध्या, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि रामनाथ स्वामी मंदिर की स्थापना एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प को समृद्ध करने वाला प्रयास सिद्ध होगा। योगी ने अपने अयोध्या दौरे की शुरुआत रामनाथ स्वामी मंदिर में आयोजित महाकुंभाभिषेक व प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लेकर की। कार्यशाला में स्थापित इस दक्षिण भारतीय शैली के मंदिर में नवस्थापित महादेव के शिवलिंग का पूजन व अर्चना करने के साथ सीएम योगी ने प्रदक्षिणा भी की। उन्होंने रामनाथ स्वामी मंदिर की स्थापना को एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प को समृद्ध करने वाला प्रयास बताया।सीएम योगी ने कहा कि रामस्वामी का कार्यशाला में विराजमान होना अत्यंत आनंद का क्षण है। अयोध्या धाम और तमिलनाडु का विशेष रिश्ता है। ये हजारों वर्षों की परंपरा है।

हजारों वर्ष पहले मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जब श्रीलंका में माता सीता की खोज के लिए निकले थे तो तमिलनाडु के रामेश्वरम में सेतु बंधन के पश्चात अपने आराध्य भगवान शिव की अराधना की थी। संपूर्ण भारत एक है, इस संकल्प के साथ आध्यात्मिक चेतना बढ़ रही है। मौजूदा प्रयास भी इसमें एक कड़ी है। उन्होंने कहा कि हम एक भारत श्रेष्ठ भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम हो ही आगे बढ़ा रहे हैं जो यहां भी देखने को मिल रहा है। भारत उत्तर से लेकर दक्षिण तक पूरब से लेकर पश्चिम तक एक रहा है। हमारे शास्त्र व धर्मस्थल इस बात के प्रमाण हैं। सरकारें अलग अलग रही हों मगर भारत के संतों की परंपरा ने मजबूती प्रदान की है। वाराणसी में आयोजित होने वाले काशी तमिल संगमम् का उदाहरण देते हुए योगी ने कहा कि काशी में तमिल संगमम् के दो संस्करण पूर्ण हो चुके हैं। काशी के बाद आज अय्या जी के कारण अयोध्या धाम भी तमिलनाडु से जुड़ चुका है। उन्होंने आगे कहा कि एक ओर आरएसएस व विश्व हिंदू परिषद द्वारा राष्ट्र जोड़ने का कार्य हो रहा है वहीं कुछ लोग ओछी राजनीति के लिए देश को बांटने की कोशिश कर रहे है। ऐसे में मंदिर स्थापना का यह कार्यक्रम एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को प्रशस्त करता है। अय्या जी ने भारत की एकात्मता के लिए वही कार्य कर रहे हैं जो तमिलनाडु से निकले एक संन्यासी ने सैंकड़ों वर्षों पहले पूरे सनातन धर्म को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया था। योगी ने कहा कि अब प्रभु श्रीराम का पूरा भव्य मंदिर बनने में ज्यादा देर नहीं होने वाली है। मंदिर निर्माण को पूर्ण करने के सभी कार्य तीव्र गति से जारी है जिसके लिए मंदिर ट्रस्ट के चंपत राय, गोपाल राय व अन्य पदाधिकारी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को पीएम मोदी द्वारा हुए प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में समाज का पूरा नेतृत्व वर्ग अयोध्या धाम में था। अयोध्या धाम में पांच सदी के बाद विराजमान हुए राम लला का करोड़ों श्रद्धालुओं ने दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया है।

रवींद्र जडेजा ने थामा बीजेपी का दामन, नई पारी की हुई शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा अब नई भूमिका में दिखाई देंगे। रवींद्र जडेजा भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं। रविंद्र जडेजा के भाजपा में शामिल होने की जानकारी उनकी पत्नी रीवाबा जडेजा ने दी है। भाजपा विधायक और रवींद्र जडेजा की पत्नी रीवाबा जडेजा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर यह खबर साझा की है। उन्होंने नए सदस्य के तौर पर अपने पति की तस्वीर को पोस्ट किया है। अपनी पोस्ट में रीवाबा ने अपने और अपने पति की भाजपा सदस्यता कार्ड के साथ तस्वीरें भी साझा कीं। गौरतलब है कि हाल ही में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सदस्यता अभियान की शुरुआत की है। उन्होंने दो सितंबर को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदस्य के रूप में नामांकित किया था। रवींद्र जडेजा से पहले उनकी पत्नी रीवाबा 2019 में भाजपा में शामिल हुई थीं। पार्टी में शामिल होने के बाद रीवाबा को बीजेपी ने 2022 में जामनगर विधानसभा सीट से मैदान में उतारा था। वह आप उम्मीदवार करशनभाई करमूर को हराकर जीती थी। बता दें कि 35 वर्षीय रवींद्र जडेजा ने जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की ऐतिहासिक टी20 विश्व कप 2024 जीत के बाद टी20आई से संन्यास की घोषणा की थी। इसके बाद उन्होंने भाजपा की सदस्यता ली है। इसके साथ ही रवींद्र जडेजा की नई पारी की भी शुरुआत हो गई है।

चुनाव प्रचार में आए थे नजर

रवींद्र जडेजा को कई बार उनकी पत्नी रिवाबा जडेजा के साथ चुनाव मैदान में देखा गया था। वो कई रोड शो पत्नी के लिए कर चुके है। इसके बाद बीजेपी में वो शामिल हो गए है। गौरतलब है कि रवींद्र जडेजा भारतीय टीम में ऑलराउंडर है। वो अपने करियर में 74 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके है। कुल 41 पारियों में वो 515 रन बना चुके है।

महाराष्ट्र में MSRTC कर्मचारियों की हड़ताल हुई समाप्त, सीएम शिंदे ने मान ली मांगें

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा अप्रैल 2020 से पूर्वव्यापी प्रभाव से उनके मूल वेतन में 6,500 रुपये की वृद्धि करने की घोषणा के बाद महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के कर्मचारियों की दो दिवसीय हड़ताल बुधवार देर शाम को समाप्त कर दी गई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अप्रैल 2020 से पूर्वव्यापी प्रभाव से एमएसआरटीसी कर्मचारियों के मूल वेतन में 6,500 रुपये की वृद्धि की है। इस निर्णय का कर्मचारियों की कार्रवाई समिति ने स्वागत किया, जिससे हड़ताल वापस ले ली गई। एमएसआरटीसी कर्मचारियों की एक कार्रवाई समिति ने फैसले का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने गणेश चतुर्थी के दौरान कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने पर नाराजगी व्यक्त की, जिसके कारण सैकड़ों यात्रियों को असुविधा हुई। महाराष्ट्र में 11 ट्रेड यूनियनों की एक्शन कमेटी ने अपनी लंबित मांगों को लेकर मंगलवार को हड़ताल बुलाई। मुंबई के सह्याद्रि गेस्ट हाउस में एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में कर्मचारी यूनियनों की बैठक हुई. बैठक में उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, उद्योग मंत्री उदय सामंत, विधायक सदाभाऊ खोत, गोपीचंद पडलकर और श्रमिक नेता हनुमंत ताठे सहित अन्य लोग शामिल हुए। यूनियनों की मांगों पर बीच का रास्ता निकालने के लिए एकनाथ शिंदे ने मूल वेतन 6,500 रुपये बढ़ाने के फैसले की घोषणा की। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने राज्य के डिपो में ड्राइवरों और वाहकों के लिए विश्राम गृहों की खराब स्थिति को दूर करने के लिए एक योजना तैयार करने का भी आदेश दिया।

गोरखपुर सैनिक विद्यालय का उद्घाटन करेंगे धनखड़

नयी दिल्ली, एजेंसी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शनिवार को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में सैनिक विद्यालय का उद्घाटन करेंगे और चित्रकूट में श्आधुनिक जीवन में ऋषि परंपराश विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। उप राष्ट्रपति सचिवालय ने गुरुवार को यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि श्री धनखड़ सात सितंबर को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर और चित्रकूट की एक दिवसीय यात्रा पर होंगे। यात्रा के दौरान सर्वप्रथम उपराष्ट्रपति गोरखपुर में सैनिक स्कूल का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वह श्री धनखड़ चित्रकूट में जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय में 'आधुनिक जीवन में ऋषि परंपरा' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के तौर पर अध्यक्षता करेंगे।

गृह मंत्री अमित शाह से मिला विहिप का प्रतिनिधिमंडल, बांग्लादेश में हिंदुओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

देश में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर विश्व हिंदू परिषद ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। विहिप के सदस्यों के साथ हिंदू संतों ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों की खबरें कई हिंदू मंदिरों में बर्बरता के साथ सामने आईं क्योंकि देश में पूर्व प्रधान मंत्री शेख हसीना को हटाने के लिए राजनीतिक उथल-पुथल चल रही थी। भारत ने बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा का मुद्दा उठाया है और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन के साथ यूक्रेन की स्थिति के साथ इस मुद्दे पर चर्चा की। मोदी ने कहा, हमने बांग्लादेश की स्थिति पर भी चर्चा की और सामान्य स्थिति की शीघ्र बहाली और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

भारत में कई सिंगापुर बनाना चाहता हूं : पीएम मोदी

- दोनों देशों के बीच सेमीकंडक्टर डिजाइनिंग और मैन्युफैक्चरिंग समेत कई समझौते

सिंगापुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 दिन की यात्रा पर बुधवार को सिंगापुर पहुंचे। वे गुरुवार को संसद पहुंचे जहां, पीएम लॉरेंस वॉन्ग ने उनका स्वागत किया। पीएम मोदी ने सिंगापुर के पीएम से कहा, आपके प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद यह हमारी पहली मुलाकात है। भारत और सिंगापुर ने सेमीकंडक्टर, डिजिटल टेक्नोलॉजी, स्वास्थ्य सहयोग और स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में अहम समझौते पर दस्तखत किए। समझौते के मुताबिक दोनों देश सेमीकंडक्टर, कलस्टर डेवलपमेंट, सेमीकंडक्टर डिजाइनिंग और मैन्युफैक्चरिंग पर फोकस करेंगे। पीएम मोदी ने गुरुवार को लॉरेन्स वॉन्ग के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इस दौरान विदेश मंत्री जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल भी मौजूद रहे।

भारत-सिंगापुर के बीच कई समझौते पर हस्ताक्षर

संसद में दोनों नेताओं ने एक-दूसरे के देशों के मंत्रियों और प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात की। दोनों देशों के अधिकारियों ने प्रधानमंत्री की मौजूदगी में कई समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते के तहत दोनों देश मिलकर डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। इससे दोनों देशों के बीच डिजिटल तकनीक जैसे DPI, साइबर सिक्योरिटी, 5जी, इमर्जिंग तकनीक जैसे सुपर कंप्यूटिंग, क्वांटम कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में सहयोग करने पर सहमति बनी। इसके अलावा दोनों देशों के बीच श्रमिकों के कौशल को बढ़ाने और डिजिटल डोमेन में काम करने वाले लोगों के स्किल को बेहतर बनाने को लेकर भी समझौता हुआ है। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना तकनीक मंत्रालय ने सिंगापुर के साथ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम मजबूत करने का भी समझौता किया है।

लोगों की आंखों से हटेगा चश्मा! इस आई ड्रॉप को मिली डीसीजीआईसे मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। रीडिंग ग्लास का इस्तेमाल करने वालों के लिए खुशखबरी है। एंटोड फार्मास्यूटिकल्स को प्रेसबायोपिया के इलाज के लिए आई ड्रॉप के विपणन के लिए ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) से मंजूरी मिल गई है। मुंबई स्थित दवा निर्माता ने 3 सितंबर को बताया कि उसे प्रेस्वू आई ड्रॉप के लिए अंतिम मंजूरी मिल गई है। कंपनी की योजना इसे अक्टूबर के पहले हफ्ते में घरेलू बाजार में पेश करने की है। दावा किया जा रहा है कि आई ड्रॉप से घ्छन केवल मरीजों को पढ़ने के चश्मे से छुटकारा मिलेगा। बल्कि ड्राई आंखों वाले को भी काफी ज्यादा फायदा मिलेगा। दावा किया जा रहा है कि दवा की एक बूंद मात्र 15 मिनट में असर दिखाना शुरू कर देती है और इसका असर अगले छह घंटे तक रहता है। प्रेस्वू भारत में पहली आई ड्रॉप है जिसे विशेष रूप से प्रेस्बिओपिया से प्रभावित व्यक्तियों के लिए पढ़ने के चश्मे पर निर्भरता को कम करने के लिए विकसित किया गया है, जो एक आम उम्र से संबंधित दृष्टि की स्थिति है जो आम तौर पर 40 से अधिक उम्र के लोगों को प्रभावित करती है। एंटोड फार्मास्यूटिकल्स के सीईओ निखिल ने कहा कि डीसीजीआई की यह मंजूरी भारत में नेत्र देखभाल में बदलाव लाने के हमारे मिशन में एक बड़ा कदम है।

अरविंद केजरीवाल की जमानत पर सुनवाई पूरी, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। अरविंद केजरीवाल की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में अरविंद केजरीवाल की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस भुईया ने फैसला सुरक्षित रखा है। अगले हफ्ते तक शायद इस पर फैसला आ सकता है। मुख्यमंत्री की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने दलीलें पेश करनी शुरू कीं और उच्चतम न्यायालय को बताया कि सीबीआई की प्राथमिकी में अरविंद केजरीवाल का नाम नहीं था। सिंघवी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को अंतरिम जमानत देते हुए कहा था कि मुख्यमंत्री समाज के लिए खतरा नहीं हैं। जमानत का अनुरोध करते हुए सिंघवी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल एक संवैधानिक पदाधिकारी हैं, उनके भागने का जोखिम नहीं है। अभिषेक सिंघवी ने न्यायालय से कहा कि सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल को करीब दो साल तक गिरफ्तार नहीं किया, ईडी मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री को जमानत मिलने के बाद 'बीमा गिरफ्तारी' की गई। अभिषेक सिंघवी ने न्यायालय से कहा कि गिरफ्तारी से पहले सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल को कोई नोटिस नहीं दिया, अधीनस्थ अदालत ने गिरफ्तारी का एकपक्षीय आदेश पारित किया।

कार की चपेट में आने से दो बाइकों पर सवार छह लोगों की मौत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में अनुपगढ जिले के विजयनगर थाना में अनियंत्रित कार की चपेट में आने से दो मोटरसाईकिलों पर सवार छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि अनुपगढ जिले में सुरजगढ विजयनगर सडक मार्ग पर कुछ लोग रात्रिजागरण से लौट रहे थे। इस दौरान 25 जी बी क्षेत्र में सामने से तेज रफतार आई एक कार ने दोनों मोटरसाईकिलों को टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई तथा तीन को विजयनगर के सरकारी अस्पताल में पहुंचाया। इसके बाद वहां से बेहतर उपचार के लिए श्रीगंगानगर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां तीनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान ताराचंद मेघवाल (24), मनीष मेघवाल (20), सुनिल जाट (20), शुभकरण मेघवाल (22), बलराम मेघवाल (21) तथा राम कुमार (20) के रूप में की गई हैं। बताया गया है कि दोनों मोटरसाईकिलों पर तीन.तीन लोग सवार थे। मृतकों में चार लोग एक ही परिवार के थे।

शिवाजी की मूर्ति ढहने पर हर व्यक्ति से मांगनी चाहिए माफी : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज महाराष्ट्र के दौरे पर हैं। सांगली जिले में रैली में राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र कांग्रेस विचारधारा का गढ़ है, यहां के लोगों में हमारी पार्टी का डीएनए है। उन्होंने कहा कि पहले राजनीति होती थी, लेकिन आज भारत में वैचारिक लड़ाई है। हम सामाजिक प्रगति चाहते हैं लेकिन वे (भाजपा) चाहते हैं कि केवल चुनिंदा लोगों को ही सारा लाभ मिले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और हमारा गठबंधन यह सुनिश्चित करेगा कि देश में जाति आधारित जनगणना हो। उन्होंने दावा किया कि मैंने लोकसभा में कहा है कि कांग्रेस जाति जनगणना कराएगी। हमारा गठबंधन इसे पूरा करेगा। राहुल ने यह भी पूछा कि मैं जानना चाहता हूं कि शिवाजी महाराज की मूर्ति ढहने पर उनसे प्रधानमंत्री मोदी द्वारा माफी मांगे जाने की क्या वजह थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को प्रतिमा ढहने के लिए न केवल शिवाजी महाराज से, बल्कि महाराष्ट्र के हर व्यक्ति से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम यहां डॉ. पतंगराव कदम जी की याद में आए हैं।

उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी कांग्रेस, महाराष्ट्र और देश को दे दी। कदम जी ने शिक्षा और विकास से जुड़े काम किए, साथ ही पूरी जिंदगी कांग्रेस के साथ खड़े रहे। जब इंदिरा गांधी जी चुनाव हारी थीं, तब भी कदम जी उनके साथ खड़े थे। कांग्रेस नेता ने कहा कि महाराष्ट्र एक प्रगतिशील प्रदेश है। यहां अलग-अलग लोगों ने काम किया और जनता को एकसाथ लेकर चले। उन सभी ने महाराष्ट्र को रास्ता दिखाया है। छत्रपति शिवाजी महाराज, शाहू जी महाराज, फुले जी समेत कई लोगों ने महाराष्ट्र के साथ-साथ पूरे देश को जीने का तरीका दिया, प्रगति और प्रेरणा दी। इससे पहले राहुल गांधी ने सांगली जिले में कांग्रेस के दिवंगत नेता पतंगराव कदम की आदमकद प्रतिमा का बृहस्पतिवार को अनावरण किया। कदम ने महाराष्ट्र में कई विभागों में मंत्री पद संभाला था। कई वर्षों तक पलूस-काडेगांव विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले कदम की प्रतिमा जिले के वांगी में स्थापित की गई है। गांधी ने वांगी में दिवंगत नेता को समर्पित एक संग्रहालय का भी दौरा किया।

प्रयागराज में नौकरी के लिए आयोग कार्यालय घेराः 97000 टीचर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी करने की मांग, कहा- हमें दावे नहीं, नौकरी चाहिए

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय को आज पदभार ग्रहण करना था। इससे पहले गुरुवार सुबह ही हजारों अभ्यर्थी गेट पर धरने पर बैठ गए। चयन आयोग कार्यालय के बाहर प्रयागराज में करीब 5 हजार डीएलएड अभ्यर्थी पहुंचे। आयोग का घेराव करते हुए सरकार से शिक्षक भर्ती के लिए विज्ञापन जारी करने की मांग की अभ्यर्थियों की भीड़ और प्रदर्शन को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स भी पहुंच गई। पुलिस मुस्तैद रही, ताकि अभ्यर्थी अंदर न घुसने पाएं। हाथों में तख्तियां लेकर अभ्यर्थी सरकार से मांग कर रहे हैं कि हमें दावे नहीं, नौकरी चाहिए।

कह रहें... आज प्रयागराज की धरती से फिर हमने ललकारा है। अनुपात हटाओ शिक्षामंत्री यह अधिकार हमारा है। भर्ती दो... भर्ती दो... । बता दें कि इससे पहले 29 जुलाई को भी कैडिंडेट्स ने यहां घेराव किया था। उस दिन चयन आयोग के उप सचिव शिवजी मालवीय और नवल किशोर कैंडिडेट्स के बीच आए। उन्होंने आश्वासन दिया था कि 15 दिन के अंदर भर्ती कैलेंडर जारी किए जाने का प्रयास होगा। कैंडिडेट्स का कहना है कि ये दावे हवा–हवाई निकले। चयन आयोग की अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय को आज पदभार ग्रहण करना है। उनके पदभार ग्रहण करने से पहले ही हजारों अभ्यर्थी गेट पर धरने पर बैठ गए। आयोग की अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय अपने ऑफिस में आयोग के सदस्यों के साथ बैठक कर रही हैं। एक कैंडिडेट ने बताया– सरकार ने 69000 शिक्षक भर्ती में रामशरण मौर्य बनाम राज्य सरकार में हलफनामा लगाया था कि ये भर्ती पूरी करने के बाद भी 51,112 पद अभी भी खाली हैं। ये पद आगे भरेंगे। इसके बाद डेटा है कि हर साल 12 से 15 हजार शिक्षक रिटायर हो रहे हैं। 5–6 साल से प्राथमिक शिक्षक भर्ती नहीं आई। इसी को जोड़कर हम लोग कम से कम 97000 प्राथमिक शिक्षक भर्ती की मांग कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री संदीप सिंह से साल 2022 में यूपी विधानसभा की कार्यवाही में शिक्षक भर्ती से जुड़े सवाल पूछे गए। उन्होंने हर बार शिक्षक–छात्र का अनुपात बराबर होने की बात कही। 19 से 23 दिसंबर 2022 के बीच चले मानसून सत्र में भी जब विपक्ष ने उनसे सवाल पूछा था, तब उन्होंने आंकड़े गिनाते हुए कहा था– हमारे पास इस वक्त 6 लाख 28 हजार 915 शिक्षक हैं। अजीब यह कि 6 फरवरी को भी जब उनसे पूछा गया तब उन्होंने यही जवाब दिया कि हमारे पास 6 लाख 28 हजार 915 टीचर हैं। अब सवाल है कि क्या पिछले एक साल में कोई रिटायर ही नहीं हुआ? किसी की मौत नहीं हुई? सरकार के इस अनुपात–समानुपात के बीच शिक्षक भर्ती कैंडिडेट्स का भविष्य फंस गया है। कैंडिडेट्स का कहना है कि पिछले 6 सालों में प्रदेश सरकार की ओर से शिक्षक भर्ती का नोटिफिकेशन नहीं जारी किया गया। करीब 10 लाख डीएलएड कैंडिडेट्स नौकरी के इंतजार में बैठे हैं। सरकार जल्द से जल्द 97000 शिक्षक भर्ती का नोटिफिकेशन निकाले। यूपी में हर साल 2 लाख 42 हजार छात्र–छात्राएं ग्रेजुएशन करने के बाद डीएलएड में एडमिशन ले रहे हैं। इसमें 10 हजार छात्र सरकारी कॉलेज से ट्रेनिंग लेते हैं। बाकी के 2.32 लाख छात्र प्राइवेट कॉलेजों से ट्रेनिंग कोर्स कर रहे हैं। यहां की सालाना फीस 50 से 60 हजार है। ट्रेनिंग पूरी करने के बाद इनके पास सरकारी नौकरी के रूप में सिर्फ बेसिक शिक्षा विभाग में ही मौका होता है। डीएलएड पूरा करने के बाद ये युवा टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी ज्म्ज पास करते हैं। यूपी में ज्म्ज पास अभ्यर्थियों की संख्या करीब 20 लाख पहुंच गई है। इसमें 5 लाख से ज्यादा बीएड अभ्यर्थी हैं, जो अब बेसिक शिक्षा में टीचर बनने के लिए एलिजिबल नहीं हैं।

मथुरा में जांच कर रिपोर्ट दाखिल करें, बांके बिहारी मंदिर मार्ग का अतिक्रमण हटाएं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा के वृंदावन स्थित बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर मामले को लेकर दाखिल की गई जनहित याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने वृंदावन से बांके बिहारी मंदिर जाने वाले सभी रास्ते से अवैध अतिक्रमण को हटाने का निर्देश दिया। कहा कि सभी रास्तों से अवैध निर्माण हटाने के बाद मथुरा से वृंदावन जाने के कितने रास्ते हैं, इसकी जांच कर रिपोर्ट दाखिल करें। यह आदेश जस्टिस सिद्धार्थ वर्मा और जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा की डबल बेंच ने अनंत शर्मा व अन्य की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। मामले में अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को होगी। जन्माष्टमी में नहीं हुई कई घटना बुधवार को राज्य सरकार ने दाखिल हलफनामे में कहा कि एक तरफ जन्माष्टमी उत्सव सफल रहा क्योंकि भगदड़ या मौत की कोई घटना नहीं हुई। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निर्देश दिया है कि अगली तारीख पर राज्य सरकार मथुरा से वृंदावन शहर की ओर जाने वाले रास्तों के बारे में मौजूदा नक्शे का विस्तृत खाका तैयार करेगा और मंदिर क्षेत्र के आने–जाने के रास्तों का विस्तृत नक्शा तैयार करेगा। हाईकोर्ट ने वृंदावन से बांके बिहारी मंदिर जाने के रास्ते से अतिक्रमण हटाने का भी आदेश दिया। हालांकि, इस मुद्दे पर जनहित याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता अनंत शर्मा ने सुनवाई के दौरान मंदिर के प्राइवेट या पब्लिक होने को लेकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। फिलहाल इस पर कोर्ट ने कोई टिप्पणी नहीं की। अशोक गोस्वामी शयनभोग सेवा के मुख्य सेवायत के वकील शशी शेखर मिश्र ने दलील दी कि कोर्ट के भीड़ प्रबंधन के आदेश का प्रशासन ठीक से पालन नहीं कर रहा है। इस आदेश का सहारा लेकर मंदिर प्रबंधन की व्यवस्था को प्रभावित किया जा रहा है। भीड़ प्रबंधन मंदिर के अंदर के बजाए मंदिर के बाहर किया जाना चाहिए। वहीं कोर्ट ने बहस के दौरान समझौता के लिए प्रस्ताव दिया। इस पर दोनों पक्ष ने सहमति जताई। अगली सुनवाई 15 अक्तूबर को होगी।

प्रयागराज में पूर्व ब्लॉक प्रमुख की बहू का सुसाइडः फंदे पर लटका मिला शव, पुलिस मामले की जांच में जुटी

प्रयागराज। मृतका शिखा तिवारी की शादी पांच साल पहले सचिन तिवारी से हुई थी, जो बड़ा चाका, नैनी के निवासी और पूर्व ब्लाक प्रमुख स्वर्गीय रामजी तिवारी के पोते हैं। सचिन तिवारी नैनी बाजार में पेंट की दुकान चलाते हैं। बुधवार को शिखा का शव कमरे के अंदर फंदे से लटकता देख परिवार वालों के होश उड़ गए। उन्होंने फौरन शव को फंदे से उतारा, लेकिन शिखा की मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही गंगोत्री नगर चौकी प्रभारी चंद्रिका यादव मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। शिखा के दो छोटे बच्चे हैं और परिवार इस दुखद घटना से सदमे में है। मोहल्ले वालों के अनुसार हाल ही में परिवार में हार्ट अटैक से एक अन्य सदस्य की भी मौत हुई थी। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। शिखा की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए परिवार और पड़ोसियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले रही है और जल्द ही सभी तथ्यों को सामने लाने की कोशिश कर रही है। इंस्पेक्टर नैनी वैभव सिंह ने बताया कि लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है।

बंदरों के आतंक से जूझ रहा प्रयागराज, मथुरा से बुलाई जाएगी मंकी कैचर टीम

प्रयागराज। शहर के लोगों को बंदरों के आतंक और उत्पात से छुटकारा दिलाने के लिए मथुरा से मंकी कैचर टीम को बुलाया जाएगा। एक माह के भीतर टेंडर प्रक्रिया पूरी कर बंदरों को पकड़ने की सिलसिला शुरू हो जाएगा। मंकी कैचर को एक बंदर पकड़ने के लिए 440 रुपये से लेकर 740 रुपये नगर निगम की ओर से वहन किया जा सकता है। अल्लापुर,दारागंज, अलोपीबाग,बघाड़ा,जीरो रोड,झूंसी,नैनी, फाफामऊ क्षेत्र में बंदरों का खौफ तेजी से बढ़ रहा है।

स्पा सेंटर के संचालकों ने भी बदले थे अपने–अपने नाम, पूछताछ में चौंकाने वाली जानकारी आई है सामने

प्रयागराज। स्पा सेंटर की आड़ में होने वाले अनैतिक देह व्यापार की तफ्तीश में जुटी पुलिस को चौंकाने वाली जानकारी मिली है। पता चला है कि स्पा सेंटर के संचालकों ने भी अपने–अपने नाम बदले थे। उनके वास्तविक नाम से हर कोई परिचित नहीं था। यह तथ्य सामने आने के बाद अब फर्जी नाम से आधार कार्ड बनाए जाने की आशंका को बल मिला है। ऐसे में पुलिस सभी आरोपितों के अभिलेखीय दस्तावेजों का परीक्षण कराने की कवायद तेज कर दी है। इसके साथ ही उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार सुराग जुटाते हुए घेरेबंदी कर रही है।

सांसद डॉ. भोला सिंह और विधायक लक्ष्मी राज को राहतः इलाहाबाद हाईकार्ट ने कहा- उत्पीड़नात्मक कार्रवाई न हो, शिकायतकर्ता से मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुलंदशहर के सांसद डॉ. भोला सिंह, सिकंदराबाद के विधायक लक्ष्मी राज सिंह और हिमांशु मित्तल के विरुद्ध विशेष अदालत में चल रहे आपराधिक केस में बड़ी

राहत दे दी। कोर्ट ने शिकायतकर्ता पवन कुमार को नोटिस जारी कर 3 हफ्ते में जवाब मांगा है। 22 अक्टूबर को होगी अगली सुनवाई कोर्ट ने तब तक याचियों के विरुद्ध किसी प्रकार की उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है। याचिका की अगली सुनवाई 22 अक्टूबर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति समित गोपाल ने डा भोला सिंह व दो अन्य की याचिका पर दिया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि उनके खिलाफ अनूपशहर, बुलंदशहर में भारतीय दंड संहिता की धारा 147,148,152, 323, 353,427, 506 और लोक संपत्ति क्षति निवारण कानून की धारा 3 के तहत थ्त दर्ज की गई। पुलिस ने विवेचना कर अंतिम रिपोर्ट दाखिल की। मजिस्ट्रेट ने पुलिस को दोबारा विवेचना का आदेश दिया। 6 अगस्त को जारी हुआ समन दोबारा विवेचना के बाद पुलिस ने अंतिम रिपोर्ट दाखिल की। शिकायतकर्ता की आपत्ति पर संज्ञान लेकर विशेष अदालत ने याचीगण को 6 अगस्त 24 को समन जारी किया है। जिसे चुनौती देते हुए केस कार्यवाही रद्द करने की मांग की गई है। कोर्ट ने मुद्दा विचारणीय माना और विपक्षियों से जवाब तलब किया है।

अध्यक्ष महीनेभर के लिए सस्पेंड, महासचिव और पदाधिकारियों पर लगाए आरोप

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों में रार मच गई है। अध्यक्ष और महासचिव तथा अन्य पदाधिकारी दो खेमों में बट गए हैं। बुधवार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश खरे की अध्यक्षता में महासचिव और अन्य पदाधिकारी ने बैठक कर अध्यक्ष अनिल तिवारी को एक माह के लिए निलंबित कर दिया है। अध्यक्ष पर मनमानी आदेश करने का आरोप है तो अध्यक्ष ने भी महासचिव और अन्य पदाधिकारियो पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बुधवार को कार्यकारिणी की बैठक बुलाई गई, जिसमें अध्यक्ष अनिल तिवारी, उपाध्यक्ष अग्निहोत्री कुमार त्रिपाठी, अखिलेश कुमार मिश्र और कार्यकारिणी सदस्य अवधेश कुमार मिश्र, रत्नेश कुमार पाठक ,अमरनाथ त्रिपाठी के अलावा अन्य 22 पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश खरे ने की और संचालन महासचिव विक्रांत पांडेय ने किया। बैठक में प्रस्ताव पारित कर महासचिव विक्रांत पांडेय को बार एसोसिएशन के समस्त कार्यों के लिए अधिकृत किया गया और अध्यक्ष अनिल तिवारी को इसमें हस्तक्षेप करने से रोक दिया गया है।

प्रयागराज के मदरसे पर चलेगा बुलडोजर

नक्शा पास नहीं, 2700 स्क्वायर फीट में अवैध निर्माणय मौलवी समेत 4 आरोपियों की रिमांड की तैयारी

प्रयागराज। प्रयागराज के मदरसे पर बुलडोजर एक्शन होगा। प्राधिकरण से बिना नक्शा पास कराए, मदरसा की 3 मंजिला इमारत बनाई गई। अब तक 2700 स्क्वायर फीट में अवैध निर्माण भी मिले हैं। प्राधिकरण ने मदरसा कमेटी को नोटिस जारी किया है। अधिकारियों के मुताबिक, जवाब मिलने के बाद अवैध निर्माणों को ढहाया जाएगा। 27 अगस्त को फेक करेंसी छापते हुए मौलवी समेत 4 की गिरफ्तारी के बाद प्ठ ने जांच शुरू की। मौलवी के कमरे से ऐसे दस्तावेज मिले। जिससे ये साबित हो रहा था कि वह मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों का ब्रेनवाश करता था। जांच एजेंसियों के इनपुट के बाद प्रयागराज विकास प्राधिकरण भी एक्टिव हुआ। यह मदरसा शहर के सबसे पॉश इलाकों में शामिल अतरसुइया में है। एरिया करीब 1.5 बीघा है। जब प्राधिकरण की टीम मौके पर पहुंची। इससे 30 मिनट पहले प्रयागराज पुलिस परिसर को सील करा चुकी थी। प्राधिकरण ने भी अवैध निर्माण का बैनर लगा दिया। मदरसा का नक्शा पास नहीं है। निर्माण से पहले की अनुमति में खानापूर्ति की गई। दस्तावेज में मदरसा का 2700 स्क्वायर फीट वर्ग गज का निर्माण अवैध मिला है। विशेष कार्याधिकारी संजीव उपाध्याय के मुताबिक, मदरसा कमेटी को अब बताना होगा कि निर्माण कैसे और कब–कब कराया गया। कमेटी पदाधिकारियों से जवाब मिलने के बाद परिसर की पैमाइश करवाई जाएगी। इतना तो तय है कि मदरसा की अवैध 3 मंजिला इमारत को ढहाने की कार्रवाई होगी। सोर्स के मुताबिक, मदरसा कमेटी ने चंद अधिकारियों से कुछ समय मांगा है, ताकि नोटिस का जवाब दिया जा सके। मदरसा जामिया हबीबिया मस्जिद–ए–आजम डॉक्टर पांडेय चौराहा के करीब है। रोड से बिल्कुल करीब यह मदरसा शहर के पॉश इलाके में है। कीमत का अंदाजा ऐसे लगा सकते हैं कि मदरसे से सटा 100 वर्ग गज का मकान 1 करोड़ कीमत का है। ऐसे में मदरसे की कीमत करीब 100 करोड़ की है। यहां का पता 140 मदरसा कंपाउंड अतरसुइया है, जिसकी दूरी थाने से दूरी सिर्फ 1 किमी है। मदरसा 80 सालों से चलाया जा रहा है। इसके मुख्य गेट से लगी हुई तीन तरफ की दीवारें काफी ऊंची और मोटी हैं, जैसे किले की दीवार होती हैं। डेढ़ बीघा जमीन पर बने मदरसे में 100 से अधिक बच्चों के रहने, खाने, सोने के इंतजाम वाले हॉस्टल हैं। परिसर में 40 कमरे हैं। इसमें 2 बड़े हॉल, 20 बाथरूम, पार्किंग, वजूखाना, नमाज अदा करने की जगह, मेस, एंट्री और एग्जिट के 4 गेट बने हैं। प्रिंसिपल ऑफिस और आवास बने हैं। 100–100 के नोट में फेक करेंसी छापने वाले मौलवी और उसके 3 साथी इस वक्त जेल में हैं। नोट छापने का नेटवर्क कैसे तैयार हुआ। बाजार में नोट खपाने का चौनल कितने लोगों की मदद से खड़ा हुआ। इसमें और कौन–कौन शामिल हैं। ऐसे सवालों के जवाब जानने के लिए पुलिस चारो आरोपियों की कस्टडी रिमांड लेने की तैयारी कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि कोर्ट में अर्जी दाखिल की जाएगी। जब फॉरेन फंडिंग हो रही थी, तब मौलवी को जाली करेंसी छापने की जरूरत क्यों पड़ी? मतलब पैसों की कमी नहीं थी। तब क्या देश की अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाना मकसद था। बाजार में कहां–कहां पैसा पहुंचाया गया। अभी तक बल्क में नोट सप्लाई की पुष्टि नहीं की जा सकी है। प्ठ को शक है, जितनी करेंसी बताई गई है, उससे कहीं ज्यादा छापी गई है। दुबई, तुर्की, सऊदी अरब में चौरेटी देने वाले लोग ही तो कहीं इस फेक करेंसी छापने के पीछे नहीं हैं। मौलवी किसके हाथों की कठपुतली है। पुलिस इन्वेस्टिगेशन में पता चला कि ओडिशा का जाहिर खान नकली नोट बनाने में माहिर है। वही गैंग का मास्टरमाइंड है। मदरसे में उसे अलग से एक कमरा दिया गया था। बच्चों की छुट्टी के बाद वह प्रिंटिंग मशीन से नोट छापता था। इसके बाद नोटों की सफाई और कटिंग की जाती थी। इस काम में अफजल उसका साथ देता था। मदरसे में करीब 3 महीने से नकली नोट छापे जा रहे थे। इस काम में जाहिर ने ओडिशा के भद्रक में रहने वाले अपने भाई से मदद ली थी। उसका भाई पहले प्रयागराज में आधार कार्ड बनाने का काम करता था। उसने ही स्कैनर और प्रिंटिंग मशीन लाकर दी थी। ओडिशा में भी संपर्क किया जा रहा है।

प्रयागराज से रवाना हुई फूलों से सजी जम्मू एक्सप्रेस

सांसद प्रवीण पटेल ने दिखाई हरी झंडी, मां वैष्णो देवी धाम कटरा की राह आसान

प्रयागराज। रेल यात्रियों के लिए रेलवे ने फिर एक तोहफा दिया है। प्रयागराज से मां वैष्णो देवी धाम कटरा के लिए सीधी ट्रेन शुरू होने से हजारों यात्रियों को इसका फायदा मिलेगा। बुधवार को सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन से मां वैष्णो देवी धाम कटरा के लिए ट्रेन रवाना की गई। सांसद प्रवीण पटेल ने प्लेटफार्म नंबर छह पर अयोजित विषेश कार्यक्रम में जम्मू एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर पहली यात्रा पर रवाना किया। इस दौरान रेलवे के आला अफसर मौजूद रहे। फूलों से सजी ट्रेन प्लेटफॉर्म से आगे बढ़ी तो तालियों की गड़गड़ाहट शुरू हो गई। ट्रेन नंबर 14033ध 14034 का संचालन दिल्ली से कटरा के बीच होता रहा है। इसी ट्रेन का विस्तार प्रयागराज से कर दिया गया है। जनवरी 2025 में रेलवे की नई समय सारिणी लागू होने के बाद ही अब इसका नया नंबर 20433ध 20434 होगा और सीटों को एडवांस में आरक्षित कराने की सुविधा सूबेदारगंज से होगी। इस दौरान महापौर गणेश केसरवानी, विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह आदि मौजूद रहे। एक दिन पहले ही सारी सीटें फुल संगम नगरी से मां वैष्णो देवी धाम कटरा के लिए बुधवार से शुरू हुई सीधी ट्रेन कि बुकिंग ऐसी रही कि एक दिन पहले यानि मंगलवार को सारी सीटें फुल हो गईं। अब 26 अक्टूबर तक स्लीपर से लेकर प्रथम श्रेणी तक के किसी भी कोच में यात्रियों को कन्फर्म टिकट नहीं मिल रहा है। 27 अक्टूबर से आरएसी टिकट मिल रहा है। इस ट्रेन में एसी प्रथम का एक, एसी द्वितीय श्रेणी का दो, एसी तृतीय श्रेणी का छह, स्लीपर के सात कोच, अनारक्षित श्रेणी के चार, एसएलआर व एसएलआरडी के एक–एक कोच हैं। इका संचालन सप्ताह में सातो दिन सूबेदारगंज से होगा। यह ट्रेन प्रत्येक दिन सुबह 10. 35 बजे सूबेदारगंज से चलेगी और अगले दिन सुबह 9.15 बजे कटरा पहुंचेगी। वापसी में कटरा से अपराह्न 3.20 बजे चलेगी और दूसरे दिन दोपहर 12.45 बजे सूबेदारगंज पहुंचेगी।

तीमारदार को पीटने वाले जूनियर डॉक्टरों की हुई पहचानः प्रयागराज के SRN में डॉक्टरों ने मां के सामने बेटे का मारा था, 3 पर FIR

प्रयागराज। स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल के वार्ड नंबर 12 में बांदा के रोहित पटेल को 2 दिन पहले जूनियर डॉक्टरों ने बुरी तरह से मारापीटा था। इसमें उसकी मां कुंती देवी को भी कलाई में चोट लगी थी। पुलिस तीन डॉक्टरों को इसमें चिह्नित कर ली है। इनके खिलाफ मारपीट, धमकी और छेड़छाड़ की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने पीड़ित मां का बयान दर्ज कर लिया है। मां ने पूरी घटना के बारे में जानकारी दी है। बता दें कि जूनियर डॉक्टरों द्वारा मारने का वीडियो वायरल हो गया था जिसमें दिख रहा है कि मां कुन्नी देवी हाथ जोड़कर बेटे को छोड़ देने की गुहार लगाती रही लेकिन जूनियर डॉक्टर बेरहमी से उसे पीटते रहे। मारपीट के बाद मेडिकल भी भी कराया गया है जिसमें कुन्नी देवी और रोहित को चोट के निशान मिले हैं। रोहित के सिर में चोटें आई हैं जब कुन्नी देवी की कलाई में। दरअसल, बांदा की रहने वाली कुन्नी देवी अपनी बहू का इलाज कराने के लिए एसआरएन आई थीं। लेकिन यहां इस तरह की घटना हो गई। यहां पर बहू का इलाज भी नहीं किया गया और उसे मध्य प्रदेश के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां पर उसका इलाज चल रहा है।

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी संख्या 04131/04132 प्रयागराज-सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल, बेंगलुरु (साप्ताहिक) त्योहार विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04131 प्रयागराज-सर एम. विश्वे. (ट.), बेंगलुरु			गाड़ी संख्या - 04132 सर एम. विश्वे. (ट.), बेंगलुरु-प्रयागराज		
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	
रविवार	23:30	प्रयागराज	22:50	गुरुवार	
01:38	01:40	मानिकपुर	20:20	20:22	
02:50	02:55	सतना	18:30	18:35	
04:15	04:20	कटनी	17:05	17:10	
05:35	05:45	जबलपुर	15:45	15:55	
09:25	09:35	इटारसी	12:30	12:35	
15:50	15:55	नागपुर	07:30	07:35	
19:55	20:00	बल्हारशाह	03:55	04:00	
20:50	20:52	सिरपुरकागजनगर	02:35	02:37	
21:20	21:22	बेल्लमपल्ली	02:05	02:07	
21:35	21:37	मंचिर्याल	01:50	01:52	
23:35	23:40	करीमनगर	00:05	00:07	
00:45	00:47	खम्मम	22:38	22:40	
03:35	03:45	विजयवाड़ा	21:10	21:20	
04:45	04:47	चीराला	19:05	19:07	
05:18	05:20	ओंगोल	18:23	18:25	
06:35	06:37	नेल्लूर	16:38	16:40	
10:05	10:10	पेरम्बूर	13:35	13:40	
11:50	12:10	काटपाड़ी	11:35	12:00	
13:50	14:00	जोलारपेट्टई	10:18	10:20	
16:23	16:25	कृष्णराजपुरम	07:23	07:25	
18:30	मंगलवार	सर एम. विश्वे. (ट.), बेंगलुरु	बुधवार	07:10	

गाड़ी संरचना - स्लीपर श्रेणी- 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 05, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 02 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकॉनमी कोच- 05

प्रयागराज से : गाड़ी संख्या 04131, प्रत्येक रविवार, दिनांक 06.10.2024 से 17.11.2024 तक।

सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल, बेंगलुरु से : गाड़ी संख्या 04132, प्रत्येक बुधवार, दिनांक 09.10.2024 से 20.11.2024 तक।

गाड़ी संख्या 05831/05832 रंगापारा नार्थ-प्रयागराज जं. (साप्ताहिक) त्योहार विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 05831 रंगापारा नार्थ-प्रयागराज जं.				गाड़ी संख्या - 05832 प्रयागराज जं.-रंगापारा नार्थ		
दिन	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिन
रविवार	----	09:00	रंगापारा नार्थ	22:50	----	मंगलवार
	10:15	10:17	मिर्ज़ापुर	19:00	19:02	
सोमवार	12:40	----	प्रयागराज जं.	----	17:40	सोमवार

गाड़ी संरचना - सामान्य श्रेणी - 06, स्लीपर श्रेणी - 11 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी - 02

रंगापारा नार्थ से : गाड़ी संख्या 05831, प्रत्येक रविवार, दिनांक 29.09.2024 से 01.12.2024 तक।

प्रयागराज जं. से : गाड़ी संख्या 05832, प्रत्येक सोमवार, दिनांक 30.09.2024 से 02.12.2024 तक।

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1578/24(A)

शिक्षक दिवस पर डॉक्टर रश्मि कुमार को किया गया सम्मानित

प्रयागराज। सीएमपी. डिग्री कॉलेज प्रयागराज हिंदी विभाग द्वारा दिनांक 05/09/2024 को शिक्षक दिवस के अवसर पर विभाग की अवकाश प्राप्त शिक्षिका डॉ रश्मि कुमार (एसोसिएट प्रोफेसर) के सम्मान में शिक्षक दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफेसर सरोज सिंह ने स्वागत भाषण की भूमिका के रूप में की। हिंदी विभाग की सहयोगी रही रश्मि कुमार के साथ बिताए पलों को साझा करते हुए पुराने दिनों की यादें ताजा कर दी ।डॉ रश्मि कुमार पर अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा कि मैम ने बड़ी बहन की तरह या अभिभावक की तरह मार्गदर्शन किया। विभाग में जब हम लोग नये–नये आये थे तो मनोबल बढ़ाने का काम किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए प्रो. आभा त्रिपाठी कहती हैं कि डॉ रश्मि कुमार के साथ ऐसा अनुबंध था कि घंटों–घंटों पुस्तकालय में बैठकर एक दूसरे को अपने दृष्टियों से अवगत कराते थे और नई –नई चीजों को जानने समझने का अवसर मिलता था। इसी क्रम में विभाग के संयोजक प्रोफेसर दीनानाथ कहते हैं कि

जब वे 27 वर्ष की उम्र में जब सीएमपी में आए थे तो श्अंजो दीदीश नाटक के बहाने डॉ रश्मि कुमार जी से बहुत कुछ जानने और सीखने को मिला। डॉ जी गणेशन ने एक अपनी लिखी गजल सुनाई जिसका आशय यह था कोई चीज नहीं बदलती, बदलती है हमारी मानसिकता और सोच। चुटकुले के माध्यम से डॉ प्रेम शंकर ने खुशनुमा माहौल बनाया। डॉ रमा शंकर सिंह ने सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज के विद्यार्थी होने के नाते अपने वरिष्ठ शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए यह कहा कि मेरे लिए सौभाग्य की बात है जिन अध्यापकों ने मुझे शिक्षा देकर काबिल बनाया आज मैं उन्हीं के सान्निध्य में सहयोगी की भूमिका में कार्य कर रहा हूं, यह मेरे लिए गर्व की बात है। बनारसी अंदाज में डॉ राजेन्द्र यादव ने अपने आप को अभिव्यक्त किया। डॉ पूजा गौड़ ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए एक फिल्मी गीत सुनाया। इसी क्रम में प्रियंका गोंड ने भी समस्त शिक्षकों का आभार प्रस्तुत करते हुए एक गीत सुनाया। डॉ भारती कोरी ने भी अपने अनुभवों को साझा करते हुए एक शानदार गीत की प्रस्तुति की। कार्यक्रम में चार चांद तब लग गया जब आदरणीय डॉ रश्मि कुमारी मैम ने अपनी गजल और मीरा का एक भजन सुनाकर पूरी महफिल लूट ली। इसके बाद कुछ विद्यार्थियों ने भी अपने गीत और कविताएं सुनाईं और इसी के साथ विभाग के शिक्षकों के साथ बिताए पलों के अनुभवों को साझा किया।

अंत में कार्यक्रम का ध न्यवाद ज्ञापन प्रो. आभा त्रिपाठी ने करते हुए डॉ रश्मि कुमारी जी के साथ बिताए हुए उन तमाम भूली – बिसरी यादों को फिर से ताजा कर दिया। ऐसा लग रहा था कि जैसे कल की ही बात हो।

इस कार्यक्रम का सुंदर संचालन डॉ रंजीत सिंह ने किया। बड़ी भारी संख्या में शोध ार्थी और विद्यार्थी मौजूद थे।

शिक्षा हिंदी

जीवन में हमें सही
राह दिखाये
वह है शिक्षा !

अज्ञानता का
अंधेरा
मिटाएं
वह है शिक्षा ।

ज्ञान का दीपक
जलाएं
वह है शिक्षा ।

बच्चो में नैतिकताएं
लाए
वह है शिक्षा ।

हमे भाषा ,गनित , साहित्य,ज्ञानविज्ञान
का पाठ सिखाये
वह है शिक्षा !

नारी को सम्मान
दिलाये
वह है शिक्षा !

पुरुषों को मान
बढ़ाये
वह है शिक्षा !

समाज से कु–संस्कारो
को मिटायें
वह है शिक्षा !

अधंविश्वास को
दूर भगाए
वह है शिक्षा !

सही–गलत बातों का
बोध कराये
वह है शिक्षा !

सारे जहां मे
अपना पहचान
बनाये
वह है शिक्षा !

शिक्षक ,डॉक्टर,
वकील ,इंजिनियर ,
वैज्ञानिक बनाये
वह है शिक्षा !

देश को प्रगति के
शिखर पर ले जाये
वह है शिक्षा ।

सैयदा आनोवारा खातुन
विश्व नाथ चारिआलि (असम)

पोषण वृक्ष का रोपण कर दिया सही पोषण का संदेश

सहजन को खाद्य पदार्थो में शामिल कर बीमारियों को भगाएं : अजय क्रांतिकारी

प्रतापगढ़। पर्यावरण सेना द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह के तहत गौरा ब्लॉक के कतरौली प्राथमिक विद्यालय में स्थित आंगनवाड़ी केंद्र पर पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया

गया।कार्यक्रम का शुभारंभ पोषण वृक्ष के रूप में अमरूद के पौध ो का रोपण कर लोगों को पूरा पोषण और सही पोषण का संदेश दिया।पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी ने महिलाओं को पौध ा वितरण भी किया।पोषण जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी ने कहा कि सही पोषण से ही देश और समाज सशक्त होगा।आज भी खून की कमी से जन्म के समय मां बच्चे की मृत्यु हो जाती है।बेहतर स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक खाद्य पदार्थों के साथ ही हमें जैविक खेती से प्राप्त सब्जियां और मौसमी फलों का सेवन करना चाहिए।उन्होंने सभी कहा कि अपने घर पर किचेन गार्डन और पोषण वाटिका लगाकर पोषण को बढ़ावा दें और खाने में सहजन का प्रयोग करें।

इस मौके पर सुरेश मौर्या,राजेश शुक्ला,साक्षी सिंह तथा आंगनवाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राष्ट्र की उन्नति का पथ प्रदर्शक शिक्षक

प्रतापगढ़। बाबागंज ब्लाक के सत्येंद्र बहादुर सिंह इंटर कॉलेज में आज भारत के महान शिक्षाविद दार्शनिक राष्ट्रपति और भारत रत्न से सम्मानित डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन छात्र–छात्राओं के द्वारा किया गया सइस मौके पर एक पेड़ शिक्षक के नाम की शुरुआत की गई जिसमें कक्षा 10 की छात्रा ज्योति प्रजापति ने

अपने शिक्षक आलोक कुमार सिंह को पौधे भेंट कर उनके नाम से पेड़ लगाने का संकल्प लिया और कहा कि हमें भी अपने शिक्षक की तरह बनना है उनके बताएं आदर्शो पर चलना हैस छात्र ने कहा कि यह पेड़ हमेशा हमें अपने शिक्षक की याद दिलाएगा जब कभी भी हम कोई भी कार्य करेंगे तो हमेशा उनकी बातें इस पेड़ को देखकर याद आएंगी और हमें नई प्रेरणा और ऊर्जा देगी सशिक्षक आलोक कुमार सिंह ने छात्र–छात्राओं को डा सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन और उनके आदर्शों के बारे में बताया और कहा कि शिक्षक राष्ट्र का निर्माता होता है सहमें अपने शिक्षक के प्रति समर्पण की भावना रखनी चाहिएस उनके बताएं आदर्शों पर चलना चाहिए जिससे हमारा और हमारे देश का विकास होगा सशिक्षक ने एक पेड़ शिक्षक के नाम का स्वागत करते हुए बच्चों को कहा कि वह भी अपने शिक्षक के नाम पर एक पेड़ लगाए जिससे हमें अपने आदर्श शिक्षक द्वारा दिए गए ज्ञान के बारे में और पर्यावरण संरक्षण के लिए एक नई ऊर्जा और प्रेरणा मिलेगीस विद्यालय में कक्षा 6 से 12 तक के छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर अपने सभी गुरुजनों से आशीर्वाद लिया और उनकी बताएं आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया सइस मौके पर चंद्रभान सिंह हरकेश यादव सुनील मिश्रा हरिश्याम यादव चंदा सिंह राहुल प्रवीण नेहा मिश्रा आदि अध्यापक व छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

चमरुपुर शुक्लान के समाजसेवी पवन शुक्ल ने लोकपाल से मिलकर गाँव के मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार की की शिकायत

प्रतापगढ़। लक्ष्मणपुर ब्लाक के चमरुपुर शुक्लान ग्राम के समाजसेवी पवन शुक्ल ने लोकपाल मनरेगा समाज शेखर से विकास भवन स्थित लोकपाल कार्यालय में मुलाकात करके गाँव के मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार की शिकायत की। उन्होंने लोकपाल के समक्ष उपस्थित होकर शपथ पत्र देकर गाँव मे 2023–24 व 2024–25 में मनरेगा की विभिन्न योजना में सरकारी धन के गबन का आरोप लगाते हुए जांच करवाने व कार्यवाही की मांग की। लोकपाल समाज शेखर ने शिकायत का गहन अध्ययन करने के बाद परिवाद दर्ज करके आवश्यक जांच व कार्यवाही का निर्णय लिया। वहीं पवन शुक्ल ने अवगत कराया की इससे पूर्व जिलाधिकारी व सीडीओ को भी जांच हेतु आवेदन किया गया था। जिस पर डी पी आर ओ को उच्चाधिकारियों ने कार्यवाही के निर्देश दिये थे,परंतु जांच नही हो सकी। तब लोकपाल से शिकायत की गई। लोकपाल समाज शेखर ने जल्द त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया। कहा की परिवाद दर्ज करके 1 माह के भीतर मामले की गंभीरता की देखते हुए प्राथमिकता के आधार पर इस प्रकरण को निस्तारित किया जायेगा, एवं भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जाएगा।

जैन विद्यालय प्रयाग ने मनाया शिक्षक दिवस

प्रयागराज। शिक्षक दिवस के अवसर पर जैन विद्यालय प्रयाग में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कार्यक्रम का संचालन कोषाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक श्री प्रद्युम्न कुमार जैन जी ने करते हुए भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रख्यात शिक्षाविद महान विचारक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण किया तथा शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रधानाचार्य का सम्मान एवं अतिथियों को भी सम्मानित किया सइसी दौरान विद्यालय से पढ़े हुए छात्रों जैसे डॉ. मनीषी बंसल, अजय अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल,वैभव अग्रवाल, विनय गोयल, इंजीनियर विवेक जैन, मनोज सिंह, रागनी अग्रवाल,पूजा अग्रवाल ,सागर गुप्ता, श्वेता जैन अग्रवाल, सभासद नेम कुमार यादव, अमित केसरवानी, राजीव जैन (वर्धमान), को भी सम्मानित किया गया सकुछ छात्रों ने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती माधुरी जैन का आशीर्वाद लेते हुए बोला कि आज हम जहां भी हैं इस विद्यालय की शिक्षा प्रणाली की वजह से हैं और बच्चों ने अपने अध्यापिकाओं से शिक्षक दिवस के अवसर पर गिफ्ट प्रदान कर आशीर्वाद लियास इसी कड़ी में विद्यालय परिसर को सड़क पर ले जाने का भी कार्य किया गया सआपको बता दें कि जैन विद्यालय

दिगंबर जैन मंदिर में स्थित था जो अब सड़क पर जाकर भगवान दास प्रहलाद दास मिस्ठान के सामने से प्रवेश करने के लिए उद्घाटन किया गयास कार्यक्रम में विशेष रूप से राजेश जैन मंत्री जैन पंचायती सभा जैन श्रीमती मृदुला जैन मंत्री जैन विद्यालय राजेश जैन मंत्री दिगंबर जैन पंचायती सभा अनूप चंद्र जैन अध्यक्ष जैन मिलन श्रीमती माधुरी जैन प्रध ानाचार्य जैन विद्यालय प्रयाग, अरुणा मिश्रा उप प्रधानाचार्य ,निशि जैन,अशोक जैन एवं विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं कर्मचारी का तथा सहपाठी बच्चे उपस्थित रहे।

एसपी के निर्देशन में प्रतापगढ़ पुलिस की ताबड़तोड़ कार्यवाही जारी

01 नकली तमंचा, 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर व 01 अदद लोहे का चापड़ के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार।
थाना जेठवारा क्षेत्रान्तर्गत देवरिया बरा पुलिस बूथ के पास से 01 अभियुक्त गिरफ्तार।

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ डॉ0 अनिल कुमार' द्वारा अपराधियों एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर प्रभावी कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु दिये गये सख्त निर्देश के क्रम में 'अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) श्री संजय राय व क्षेत्राधिकारी सदर श्री अमरनाथ गुप्ता के पर्यवेक्षण व थाना प्रभारी जेठवारा धमेन्द्र सिंह के नेतृत्व में उ0नि0 वारिज' मय हमराह उ0नि0 प्रशि0 उ0नि0 अमित वर्मा, हे0का0 शोभनाथ राम, का0 कुलदीप यादव, चालक हे0का0 अमित यादव थाना जेठवारा द्वारा संदिग्ध व्यक्तियोंध वांछित वारण्टी अभियुक्त की तलाश हेतु चेकिंग के दौरान, देवरिया बरा पुलिस बूथ के पास से 01 अभियुक्त दिनेश कुमार शर्मा उर्फ उस्ताद पुत्र शिवबहादुर शर्मा उर्फ कल्लू निवासी ग्राम चन्दईपुर उर्फ चनईया थाना

जेठवारा जनपद प्रतापगढ़ को 01 नकली तमंचा, 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर व 01 अदद लोहे का चापड़ के साथ गिरफ्तार किया गया।

01 नकली तमंचा, 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर व 01 अदद लोहे का चापड़ की बरामदगी के आधार पर थाना जेठवारा में मु0अ0सं0 227/24 धारा 3/4/6/25 आर्म्स एक्ट बनाम दिनेश कुमार शर्मा उर्फ उस्ताद पंजीकृत किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण –

1– दिनेश कुमार शर्मा उर्फ उस्ताद पुत्र शिवबहादुर शर्मा उर्फ कल्लू निवासी ग्राम चन्दईपुर उर्फ चनईया थाना जेठवारा जनपद प्रतापगढ़।

बरामदगी :–

01 नकली तमंचा, 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर व 01 अदद लोहे का चापड़ बरामद।

पंजीकृत अभियोग :–

मु0अ0सं0 227/24 धारा 3/4/6/25 आर्म्स एक्ट बनाम दिनेश कुमार शर्मा उर्फ उस्ताद उपरोक्त।

पुलिस टीम –

उ0नि0 वारिज मय हमराह उ0नि0 प्रशि0 उ0नि0 अमित वर्मा, हे0का0 शोभनाथ राम, का0 कुलदीप यादव, चालक हे0का0 अमित यादव थाना जेठवारा जनपद प्रतापगढ़।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये शिकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं

शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें निस्तारण : जिलाधिकारी

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान

शिकायतकर्ता लल्लू निवासी ग्राम कटारी थाना कोहड़ौर ने शिकायत किया कि गोविन्द सहाय पाण्डेय निवासी सोनबरसा सरहंग एवं दबंग किस्म के व्यक्ति है, गोविन्द सहाय ने प्रार्थी की भूमिधरी भूमि गाटा संख्या–46ख रकबा 0.316 हेक्टेयर स्थित ग्राम कटारी का फर्जी ढंग से बैनामा बिना प्रार्थी के जानकारी के षड़यन्त्र पूर्ण तरीके से कूटरचित दस्तावेज तैयार करके करा लिया है इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी पट्टी को जांच कर आख्या देने हेतु निर्देशित किया और कहा कि दोषी कर्मचारी के विरूद्ध आरोप पत्र तैयार करायें। इसी प्रकार जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने अन्य प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण यथाशीघ्र किया जाये। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर–उधर भटकना न पड़े।

वनस्पति विज्ञान विभाग, सीएमपी कॉलेज ने शिक्षक दिवस को उत्साह और कृतज्ञता के साथ मनाया

प्रयागराज। सीएमपी कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग में शिक्षक दिवस को बहुत उत्साह और उमंग के साथ मनाया ।विभाग के सभी छात्रों ने विभाग के सभी शिक्षकों को सम्मानित किया

कार्यक्रम की शुरुआत भारत के पूर्व राष्ट्रपति और एक प्रसिद्ध शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई, जिनके जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

डॉ. संजय सिंह और डॉ. मीना राय ने सभा का स्वागत किया और समाज में शिक्षकों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, षशिक्षक हमारी शिक्षा प्रणाली की रीढ़ हैं और उनका निस्वार्थ समर्पण अमूल्य है।ष आज के समारोह के मुख्य अतिथि वनस्पति विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. एस. एन. श्रीवास्तव थे। उन्होंने छात्रों को आशीर्वाद दिया और मूल्य शिक्षा और पर्यावरण अध्ययन के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया और मौसम और मौसम के बदलावों और जीवों पर इसके प्रभाव को समझने के लिए प्रेरित किया।

छात्रों ने अपने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए गीत, नृत्य और नाटक सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

उन्होंने कहा, षशिक्षक दिवस हमारे लिए अपने शिक्षकों को उनके मार्गदर्शन और समर्थन के लिए धन्यवाद देने का अवसर है। वे हमें अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए प्रेरित करते हैं।

कार्यक्रम में डॉ. यशवंत कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. आलोक कुमार सिंह ने की।

समारोह में सभी संकाय सदस्य डॉ. मंजू श्रीवास्तव डॉ. कीर्ति राजा सिंह डॉ. अविनाश प्रताप सिंह डॉ. यशवंत कुमार डॉ. दीपक कुमार गोंड डॉ. नेहा पांडे डॉ. अनीता सिंह मौजूद रहे।

प्रयागराज की डॉ. पूर्णिमा पाण्डे, भोपाल के हिंदी भवन में महादेवी वर्मा गोल्डन अवार्ड से सम्मानित

प्रयागराज। भोपाल में हिंदी भवन के महादेवी वर्मा सभागार में विश्व हिंदी रचनाकार मंच द्वारा 01 सितंबर को आयोजित महादेवी वर्मा रॉयटर्स अवार्ड सेरेमनी सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि श्री राघवेन्द्र ठाकुर, विशिष्ट अतिथि डॉ पूर्णिमा पाण्डेय, डॉ सुशील राकेश, देवेंद्र आचार्य, डॉ दक्षा जोशी रहे। जहाँ डॉ पूर्णिमा पाण्डेय को महादेवी वर्मा गोल्डन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

डॉ पूर्णिमा पाण्डेय ने कहा कि महादेवी वर्मा उनके दिल के बहुत करीब हैं क्योंकि महादेवी वर्मा का जन्म फर्रुखाबाद में हुआ था और उनका (डॉ पूर्णिमा पाण्डेय) का जन्म भी फर्रुखाबाद में हुआ।समारोह में डॉ पूर्णिमा ने अपनी कविता श्आज की नारीश का पाठ किया।

डा. पाण्डेय को गोल्डन अवार्ड मिलने पर अनेक साहित्यिक सामाजिक हस्तियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाइयां देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सम्पादकीय.....

अन्याय का बुलडोजर

शीर्ष अदालत ने एक उस विवादास्पद मुद्दे पर स्पष्ट राय देश के सामने रखी है जिसकी तार्किकता को लेकर पिछले कई वर्षों से बार–बार सवाल उठ रहे थे। यानी कुछ राज्य सरकारों के बुलडोजरी न्याय को लेकर। खासकर भाजपा शासित राज्यों में गंभीर अपराधों व अनधिकृत कब्जों के खिलाफ पीला पंजा चलता देखा गया। जाहिरा तौर पर इस तरह की कार्रवाई न्याय की कसौटी पर खरी नहीं उतरती है। सवाल यह भी है कि जब तक किसी व्यक्ति पर सिर्फ आरोप ही लगे हैं, तो उसका घर कैसे गिराया जा सकता है? इस विवादास्पद कार्यशैली को लेकर दाखिल याचिकाओं की सुनवायी के दौरान देश की शीर्ष अदालत ने तल्ख टिप्पणियां की हैं। अदालत का मानना था कि भले ही कोई व्यक्ति किसी संगीन मामले में दोषी हो तो भी बिना न्यायिक प्रक्रिया पूरी किए ऐसी कार्रवाई नहीं की जा सकती है। लेकिन साथ ही अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इसके मायने अवैध निर्माण को संरक्षण देना कदापि नहीं है। दरअसल, इस मामले में केंद्र व राज्य सरकारों की तरफ से दलील दी जाती रही है कि जिन मामलों में यह कार्रवाई की गई वे गैरकानूनी कब्जे कर किए गए अनधिकृत निर्माण थे। निस्संदेह, ये दलीलें मामले में जरूरी प्रक्रिया को न अपनाये जाने के चलते न्याय के अनुरूप नहीं ठहराई जा सकती हैं। दरअसल, हाल के वर्षों में कई बार देखने में आया कि कुख्यात अपराधियों,हत्यारों व बलात्कारियों के घर जमींदोज कर दिए गए। सतही तौर पर कहा जाता रहा है कि ऐसे अपराधियों में शासन–प्रशासन का भय होना चाहिए। लेकिन इस कार्रवाई को व्यापक अर्थों में देखें तो यह न तो कानून की कसौटी पर खरा उतरती है और ना ही इसे मानवीय दृष्टि से सही कहा जा सकता है। यही वजह है कि गाहे–बगाहे राजनीतिक पार्टियों और सामाजिक संगठनों द्वारा ऐसी कार्रवाई को लेकर सवाल उठाये जाते रहे हैं। निश्चय ही किसी सभ्य समाज में ऐसे सवालों का उठना लाजिमी है। सर्वोच्च न्यायालय के उस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है जिसमें कहा गया था कि किसी मामले में आरोप लगने के बाद ऐसी कार्रवाई कानून सम्मत नहीं है। लेकिन ऐसी कार्रवाई तब भी नहीं की जानी चाहिए जब उसका अपराध साबित हो गया हो। निस्संदेह, घर एक पारिवारिक इकाई का नाम है। एक घर को बनाने में एक व्यक्ति की पूरी उम्र लग जाती है। फिर परिवार के तमाम सदस्यों का भी तो वह घर होता है। उनको अपराधी या आरोपी व्यक्ति के कृत्यों के चलते बेघर तो नहीं ही किया जा सकता। यह न केवल कानून के विरुद्ध है बल्कि अमानवीय कदम भी है। जिनका किसी अपराध से लेना–देना न हो, उन्हें दंडित करना अन्याय ही तो है। फिर यदि किसी व्यक्ति के घर पर आरोपों के चलते बुल्डोजर चला दिया गया हो और वही व्यक्ति कालांतर आरोपमुक्त हो जाए, तो ध्वस्त घर बनाने की जिम्मेदारी किसकी होगी? शासन–प्रशासन के अधिकारियों को अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के बजाय विवेक व न्यायसंगत तरीके से कोई निर्णय लेना चाहिए। निस्संदेह, अतिक्रमण का संकट देशव्यापी है, जिसे धर्म–जाति से परे कानून की दृष्टि से देखा जाना चाहिए। बल्कि तमाम तरह के अतिक्रमणों को बढ़ावा देने में राजनेताओं की बड़ी भूमिका होती है। कालांतर वोट बैंक बनाने के लिये वे इन अवैध निर्माणों को वैध बनाने की कोशिश में जुट जाते हैं। बहरहाल, देश में अतिक्रमण हटाने और बुलडोजर के इस्तेमाल को लेकर देशव्यापी दिशा–निर्देश तय होने चाहिए। जिससे राजनीतिक दल अपने निहित स्वार्थों के लिये इस कार्रवाई को तार्किक ठहराने की कोशिश न कर सकें। साथ ही अवैध निर्माण गिराने की प्रक्रिया सबके लिये एक समान होनी चाहिए। वैसे तो अवैध निर्माण हटाने की प्रक्रिया निरंतर सालभर चलने वाली प्रक्रिया है, इसका चुनाव या लक्षित समय में उपयोग करना गलत होगा। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर सभी हितधारकों से सुझाव मांगे हैं ताकि पूरे देश में बुलडोजर के इस्तेमाल के बाबत तार्किक व एकरूपता वाले दिशा–निर्देश राज्य सरकारों को दिए जा सकें। सवाल अधिकारियों का अपनी विश्वसनीयता कायम करने का भी है।

भाजपा को परेशानी में डालता संघ

एजेंसी

जातिगत जनगणना, देश में महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं की सुरक्षा। इस बैठक में स्वाभाविकतरू संघ प्रमुख मोहन भागवत व सह कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले थे, खुद नड्डा पार्टी महासचिव बीएल संतोष संग मौजूद थे।

जिस केरल को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत के शहिन्दू विरोधी राज्यश के रूप में निरूपित करता आया है, उसी प्रदेश के पलक्कड़ में उसने अपनी तीन दिवसीय मंथन बैठक सोमवार को सम्पन्न की जो कई प्रकार से खुद को भ्रमित करने वाली तो रही ही, अपनी राजनीतिक विंग अर्थात भारतीय जनता पार्टी को भी मुश्किल में डालने वाली साबित हो सकती है। 'राष्ट्रीय समन्वय सम्मेलन' के नाम से आयोजित यह बैठक भाजपाध्यक्ष जेपी नड्डा के उस बयान की पार्श्वभूमि में हुई है, जिसमें कहा गया था कि– अब भाजपा इतनी बड़ी हो गयी है कि उसे संघ की जरूरत नहीं है। वैसे इस बयान पर बैठक में कोई विचार–विमर्श हुआ या नहीं, यह तो सामने नहीं आया है लेकिन मुख्यतरू जिन मसलों पर विचार किये जाने की जानकारी दी गयी है, उनमें तीन तो स्पष्ट हैं– जातिगत जनगणना, देश में महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं की सुरक्षा। इस बैठक में स्वाभाविकतरू संघ प्रमुख मोहन भागवत व सह कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले थे, खुद नड्डा पार्टी महासचिव बीएल संतोष संग मौजूद थे। जातिगत जनगणना को लेकर भाजपा का इंकार रहा है परन्तु उसे संघ की बैठक में यह कहकर हरी झंडी दिखा दी गई कि कल्याणकारी योजनाओं के लिये जाति के आंकड़े जुटाने में कोई दिक्कत नहीं है। हालांकि संघ ने कहा कि इसका उपयोग चुनावी राजनीति के लिये नहीं होना चाहिये। उल्लेखनीय है कि इसे एक तरह से विपक्षी गठबन्धन यानी इंडिया की जीत कहा जा सकता है क्योंकि उसी ने यह मांग जोरदार ढंग से उठाई थी। इसे भाजपा देश की अखंडता और एकता के लिये खतरा भी बताती थी। भाजपा की झल्लाहट इस कदर थी कि पिछले संसदीय सत्र में लोकसभा में पूर्व मंत्री अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी पर यह कहकर अत्यंत अशोभनीय टिप्पणी की थी कि शजिसकी जाति का पता नहीं वे जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं।श अब संघ द्वारा उस मांग का समर्थन करने से भाजपा किंकर्तव्यविमूढ़ हो जायेगी। देखना दिलचस्प होगा कि क्या संघ की इस सलाह पर भाजपा अमल करेगी या नहीं। अगर करती है तो यह राहुल की जीत मानी जायेगी जिसमें उन्होंने कहा था कि वे इसी सदन (लोकसभा में बहस के दौरान) के भीतर जातिगत जनगणना का कानून पारित कराएंगे। अब तक माना जाता था कि राहुल का आशय यह रहा होगा कि उनकी सरकार बनने के बाद ऐसा किया जायेगा। यदि संघ के दिशा–निर्देश पर नरेन्द्र मोदी सरकार ऐसी जनगणना कराती है तो माना जायेगा कि वह संघ द्वारा संचालित है तथा नड्डा की इस बात में कोई दम नहीं है कि श्भाजपा को संघ की जरूरत नहीं है। आशय यह है कि भाजपा अब भी संघ की कठपुतली है जिसकी डोर संघ के हाथों में है। इसके विपरीत यदि मोदी इस सलाह पर अमल न करते हुए अपनी जिद पर अड़े रहे तो यही संदेश जायेगा कि मोदी संघ से बड़े हो गये हैंय जैसा कि कहा भी जाता है। देश भर में महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार के मामले पर संघ ने चर्चा तो की पर मुख्यतरू पश्चिम बंगाल के कोलकाता के मामले का जिक्र कर अपना भाजपा के लिये राजनीतिक इस्तेमाल भी होने दिया है। संघ को पूरे देश में और किसी भी राज्य में होने वाली ऐसी घटनाओं पर चिंता जताकर मोदी सरकार को निर्देश देना था कि वह इन्हें रोके। देश भर के अधिकृत आंकड़े बताते हैं कि भाजपा प्रशासित राज्यों में ये अपराध सर्वाधिक हैं। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, असम, गुजरात में कई ऐसी घटनाएं हुई हैं। मणिपुर के मामले में मोदी की चुप्पी आम चर्चा का विषय रही। तब भी भागवत ने कहा था कि श्केन्द्र सरकार को मणिपुर में बैठकर मामले को सम्हालना चाहियेश, परन्तु मोदीजी ने ऐसी कोई पहल नहीं की थी। छत्तीसगढ़ में सोमवार को इसी मुद्दे पर कांग्रेस ने प्रदेशव्यापी प्रेस कांफ्रेंस कर बतलाया कि पिछले 8 माह में महिलाओं के खिलाफ 3 हजार से अधिक अपराध हुए हैं, जिनमें बलात्कार के 600 से ज्यादा मामले हैं। यहां भाजपा सरकार है। संघ की यह चिंता इसलिये भी भाजपा को परेशानी में डालेगी क्योंकि बलात्कारियों और महिलाओं के साथ उत्पीड़न करने वालों को संस्थागत प्रश्रय देने और बचाने का काम खुद भाजपा की सरकारें कर रही हैं। ऐसे कई अपराधों में भाजपा के ही लोग शामिल हैं। मोदी के वाराणसी संसदीय क्षेत्र में बलात्कार कर पीड़िताओं के वीडियो बनाने से लेकर बलात्कारियों का स्वागत करने तथा बलात्कार की सजा भुगत रहे अपराधियों (राम रहीम व आसाराम) को बार–बार फरलो पर छोड़ने का काम इसी पार्टी की सरकारें कर रही हैं। तीसरा मसला बांग्लादेश को लेकर है जो मोदी को बड़ी कूटनीतिक अड़चन में डाल सकता है। वहां तख्तापलट के बाद हुई झड़पों के बाद हिन्दुओं पर हुए हमलों के लिये न केवल वहां की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद युनूस ने माफी मांगी बल्कि वहां स्थिति को बहुत जल्दी सामान्य भी कर दिखाया। जब से वहां शांति बहाल हुई है, ऐसी घटनाएं थमी हैं। भागवत चाहते हैं कि भारत सरकार बांग्लादेश से बात करे। जब ऐसी घटनाएं जारी थीं तो सरकार ने इस पर कोई बात नहीं की। मोदी अगर यह मामला उठाते हैं तो बांग्लादेश उन्हें पहले अपने गिरेबान में झांकने के लिये कह सकता है। महाराष्ट्र के एक मुस्लिम बुजुर्ग को गौमांस रखने के आरोप में कुछ लोगों द्वारा पीटे जाने का मामला अभी ठंडा नहीं हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को शरण देने से बांग्लादेश पहले से ही भारत से नाराज है। संघ ने भाजपा–मोदी सरकार को फंसा दिया है।

शिवाजी की मूर्ति ढहने पर मोदी क्यों मांग रहे हैं माफी?

डॉ. दीपक पावपोर

बिहार में इसी बरसात में एक के बाद एक दर्जन भर से ज्यादा पुल ढह गये, परन्तु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने माफी नहीं मांगी, कई राष्ट्रीय महामार्ग उखड़ या धंसक गये, परन्तु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने माफी नहीं मांगीय कई ट्रेनें दुर्घटनाग्रस्त हुईं जिनमें कई लोग मारे गये तथा बड़ी संख्या में घायल हुए, फिर भी मोदीजीने माफी नहीं मांगी। कठुआ, उन्नाव, हाथरस से लेकर मणिपुर में महिलाओं के साथ सिलसिलेवार यौन शोषण हुआ, परन्तु बेटी बचाने का दावा करने और उनके साथ कुछ होने पर कथित रूप से व्यथित होने वाले प्रधानमंत्री ने माफी नहीं मांगी। एक–दो नहीं बल्कि पिछले सात वर्षों में राष्ट्रीय स्तर की 7 से ज्यादा प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के पेपर लीक हो गये, परन्तु पीएम ने माफी नहीं मांगी। कई एयरपोर्ट, संसद भवन तथा राममंदिर की छत तक टपकने लगी या उनमें पानी भर गया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने माफी नहीं मांगी जबकि ये एयरपोर्ट उन्होंने ही अपने कारोबारी मित्रों को सौंपे हैं, संसद भवन उनकी सीधी देख–रेख में बना है तथा राममंदिर तो उनकी आस्था (जैसा कि वे कहते आये हैं) का सबसे बड़ा प्रतीक है, इतना ही नहीं, कई धार्मिक स्थलों में उनके द्वारा (राजनीतिक रणनीति के तहत ही सही) करोड़ों रुपये खर्च कर स्थापित की गयी मूर्तियां हल्की आंधी में ही उड़ गयीं, फिर भी उन्होंने क्षमा याचना नहीं की। पिछले कुछ समय में, खासकर उनके ही कार्यकाल में अनेक मूर्तियां तोड़ी गयीं या अपमानित की गयीं। इनमें महात्मा गांधी थे, नेहरू थे, अंबेडकर भी थेय या वे सारे थे जिनकी विचारधारा से मोदी, उनकी भारतीय जनता पार्टी एवं उनके राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचार मेल नहीं खाते। यहां तक कि उन्होंने खुद ही संसद भवन में महात्मा गांधी और संविधान निर्माता बाबासाहेब अंबेडकर की मूर्तियों को कोने में छिपाकर रख दिया ताकि वहां से होकर आते–जाते वे महापुरुष उनकी नजरों के सामने ही न आयेंय और न ही अन्य लोगों को इन महापुरुषों की मूर्तियां सहसा दिखें। इस कृत्य के लिये भी उन्होंने न किसी के आगे हाथ जोड़े और न ही किसी के सामने मस्तक झुकाकर उनके मानने वालों से माफी चाहीय फेहरिस्त लम्बी है। पिछले दस वर्षों में मोदी के शासनकाल में ऐसा अनेक कुछ हुआ है जिसके लिये खुद मोदी की माफी तो बनती है। सारी ऐसी बातों का उल्लेख न भी करें तो नोटबन्दी को ही ख्याल में ले आयें। उन्होंने इसके कई फायदे बताते हुए यह भी कहा था कि उन्हें ये लाभ दिखाने के लिये केवल 100 दिन चाहिये। फिर वे जनता जिस चौराहे पर कहे, आ जायेंगे।....फिर ऐसा क्या हुआ कि मुम्बई में लगी शिवाजी महाराज की एक मूर्ति क्या गिरी, श्एक अकेला सब पर भारीश वाले मोदी घुटनों पर आ गये? पश्चाताप, ग्लानि एवं अपराध भाव की सारी हदें पार करते हुए मोदी को बारम्बार क्यों मस्तक नवाकर और हाथ जोड़–जोड़कर माफी मांगनी पड़ी? इतना ही नहीं, उन्होंने शिवाजी को अपना आराध्य बतलाते हुए कहा कि जो भी शिवाजी को अपना आराध्य मानते हैं, उन सबसे वे क्षमा चाहते हैं। आखिर उन्होंने तो मूर्ति नहीं गिराई, न ही उनके समर्थकों ने यह काम किया है (जिसमें वे निष्णात हैं)। देश में कोई भी बेजा बात होती है तो उनके कार्यकर्ता और ट्रोल आर्मी के सिपाही कहते हैं कि यह काम मोदी ने तो नहीं किया है जो उसकी जिम्मेदारी लें या माफी मांगें। अब क्या हुआ है? वैसे इस क्षमायाचना को लेकर कई लोग कह रहे हैं कि इसका तरीका गलत है क्योंकि उनकी माफी में अहंकार झलकता है। अहंकार से कहीं अधिक इसके पीछे उनकी राजनीतिक रणनीति दिखलाई पड़ती है। यह अलग बात है कि उसमें न तो नफासत, न ही ऐसी बारीकी कि उस पर भरोसा किया जाये। साफ है कि शिवाजी की मूर्ति गिरने का उन्हें दुख जतलाना उनकी सियासी मजबूरी है क्योंकि महाराष्ट्र में चुनाव नजदीक हैं और वहां भाजपा तथा उसके गठबन्धन (नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस–एनडीए) की हालत पतली है। शिवाजी के ईर्द–गिर्द उस राज्य की राजनीति घूमती है। साठ के दशक में गठित शिवसेना इन्हीं शिवाजी महाराज के नाम पर बनी और वही मराठी अस्मिता की प्रतीक है। चुनाव आयोग ने चाहे अलग हुए धड़े यानी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को असली माना तथा उसके हाथों में धनुष–बाण का चुनाव चिन्ह थमा दिया हो, लेकिन जनता की नजरों में असली शिवसेना उद्धव ठाकरे धड़े वाली ही है। महाराष्ट्र उन चार राज्यों में शामिल है जिनमें इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। हरियाणा व जम्मू–कश्मीर में तो प्रक्रिया प्रारम्भ भी हो गयी है जबकि महाराष्ट्र एवं झारखंड की तारीखों का ऐलान कभी सम्भव है। पहले सभी में एक साथ होने के अनुमान व्यक्त किये गये थे लेकिन जब भाजपा को महसूस हुआ कि किसी भी राज्य में उसकी स्थिति मजबूत नहीं कहीं जा सकती, तो उसने सरकार की कठपुतली कहे जाने वाले निर्वाचन आयोग के जरिये महाराष्ट्र व झारखंड के चुनाव आगे बढ़ा दिये। महाराष्ट्र में भाजपा का बहुत कुछ दांव पर लगा हुआ है। पहला तो यही कि यह चुनाव एनडीए के बिखराव तथा प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया की मजबूती के बीच हो रहा है। यहां उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में चल रही सरकार को ऑपरेशन लोटस के जरिये गिराने वाली भाजपा जनता की नजरों से गिरी हुई है। उसके दोनों सहयोगी– एकनाथ शिंदे गुट वाली शिवसेना और अजित पवार गुट वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ भाजपा के सम्बन्ध अविश्वास व तनातनी के हैं। सीएम का चेहरा विवाद का विषय है। इतना ही नहीं, गये लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को जो बढ़त मिली है, उससे भी भाजपा परेशान है। यही सबब है मोदी के झुक–झुककर माफी मांगने का। वैसे तो पिछले कुछ समय से देश का काफी कुछ ढहा है। लोकतांत्रिक मूल्य ढहे हैं, मर्यादाएं ढही हैं, आदर्श ढहे हैं। संसदीय परम्पराएं, लोकतांत्रिक संस्थाएं सब कुछ ढही हैं, सरकार की प्रतिष्ठा और नागरिकों की गरिमा भी ढही है। तो भी माफी न मांगने वाले मोदीजी से उम्मीद करना बेकार है कि वे सच्चे मन से माफी मांग रहे होंगे। हालांकि यह अपने आप में हैरत की बात है कि वे माफी तो मांग रहे हैं परन्तु इस बात की जिम्मेदारी नहीं ले रहे हैं या किसी को कुसूरवार नहीं ठहरा रहे हैं जिसके चलते यह मूर्ति ढही है। यह मामला तो भ्रष्टाचार का है जिसके जिम्मेदार व्यक्ति का नाम सामने आना चाहिये और उसे सजा होनी चाहिये। इस मूर्ति के गिरने से मोदी का यह दावा भी हवा में उड़ गया है जिसमें वे कहते रहे हैं कि कोई भी भ्रष्टाचारी उनके पास इसलिये नहीं आ सकता क्योंकि वह उनका ताप सह नहीं पायेगा। महाराष्ट्र में उनके गठबन्धन की ही सरकार है और इस मूर्ति का निर्माण भी इसी सरकार ने कराया है– किसी नेहरू या कांग्रेस सरकार ने नहीं। शिवाजी की प्रतिमा का गिरना बतलाता है कि मोदीजी का यह कहना भी कोरी गप है जिसमें उनका दावा था कि सारे निर्माण स्पेस टेक्नालॉजी से बन रहे हैं और निर्माण होने के दौरान ही वे ड्रोन के जरिये काम की गुणवत्ता का निरीक्षण कर लेते हैं। ऐसे में कोई अचानक शिवाजी को आराध्य कहने लगे, माफी मांगने लगे तो उसकी मंशा एकदम स्पष्ट हो जाती है। मूर्ति के गिरने का दुख नहीं, बल्कि सिर पर आ चुके महाराष्ट्र के चुनाव के हाथ से निकल जाने का डर है।

भाजपा ने बनायी 10 करोड़ नये सदस्यों को पार्टी में भर्ती करने की योजना

कल्याणी शंकर

केन्द्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी दो–तरफा आधार पर विस्तार करने के लिए काम कर रही है – पहला अन्य दलों, विशेष रूप से कांग्रेस से प्रभावशाली नेताओं को भाजपा में शामिल कर, तथा दूसरा बड़े पैमाने पर पार्टी में नये सदस्यों की भर्ती कर। हालांकि विपक्षी राजनीतिक पार्टियों से इसमें कम संख्या में नेता शामिल हो सकते हैं, लेकिन उनका प्रभाव महत्वपूर्ण है, जबकि जनाधार बढ़ाने के लिए पार्टी बड़ी संख्या में नये सदस्यों को नामांकित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन झारखंड के वर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पिछले महीने उन्हें हटाकर पुनरू यह पद संभालने के बाद भाजपा में शामिल हो गये हैं। हेमंत सोरेन के एक घोटाले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किये जाने के बाद से चंपई मुख्यमंत्री पद संभाल रहे थे। यह कदम प्रभावशाली मुख्यमंत्रियों के भाजपा में शामिल होने की प्रवृत्ति को बढ़ाता है, जो पार्टी की रणनीतिक सफलता को उजागर करता है। भाजपा अन्य दलों के जाने–माने नेताओं को गले लगाती है क्योंकि वे अपने प्रभाव और कार्यकर्ताओं को साथ लाते हैं। कांग्रेस से आये असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा इसका एक बेहतरीन उदाहरण हैं। वह पूर्वोत्तर में सबसे चर्चित व्यक्ति बन गये हैं। नेशनल इलेक्शन वॉच–एडीआर के अनुसार, दलबदल और पार्टी बदलने के मुख्य कारण मूल्य–आधारित राजनीति का अभाव, पैसे और सत्ता का लालच, पुरस्कृत राजनीतिक पद और कुशल, ईमानदार और विश्वसनीय नेताओं की कमी है। भाजपा ने समानांतर ट्रैक पर 10 करोड़ नये सदस्य बनाने की योजना बनाई है। पिछले हफ्ते की बैठक में, पार्टी नेतृत्व ने फैसला किया कि यह अभियान दो चरणों में होगारू 2 से 25 सितंबर और 1 से 15 अक्टूबर। पिछले दशक में, भाजपा ने उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। 1980 के दशक में, उच्च–मध्यम वर्ग, शहरी लोगों और बड़ी संख्या में हिंदुओं ने मुख्य रूप से भाजपा का समर्थन किया। तब से इसने एक व्यापक राजनीतिक आधार बनाया है, जो इसके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। भाजपा ने कांग्रेस को पीछे छोड़ दिया है और 18 करोड़ सदस्यों के साथ पहले से ही दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। ग्रैंड ओल्ड पार्टी, कांग्रेस के 13 करोड़ सदस्य हैं। 2014 से 2019 के बीच देश भर में लगभग 18 करोड़ लोग भाजपा में शामिल हुए। विभिन्न दलों के भी अस्सी हजार नेता और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए हैं, जिसका लक्ष्य राष्ट्रीय और जिला स्तर पर लगभग 1,00,000 नेताओं की भर्ती करना है। इस अभियान के जरिए, भाजपा अपने सदस्यों के बारे में डेटा एकत्र करती है, जिसमें उनकी जाति, लिंग, आयु, निवास और अन्य विवरण शामिल हैं। पिछले दशक में, पूर्व मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों सहित कई प्रभावशाली कांग्रेस नेता भाजपा में चले गये, जिससे उनकी हताशा, लालच और सत्ता की लालसा का पता चला। भाजपा ने उनमें से कुछ को अच्छे पदों से पुरस्कृत किया है। उनमें से उल्लेखनीय नेताओं में हिमंत विश्व शर्मा, कैप्टन अमरिंदर सिंह, जितिन प्रसाद, आर.पी.एन. सिंह, मिलिंद देवड़ा और ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण, रितेश पांडे, संगीता आजाद और अन्य हाल ही में भाजपा में शामिल हुए हैं। वे कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस और वाईएसआरसीपी जैसे विभिन्न राजनीतिक दलों से आते हैं। 2014 के बाद से भाजपा को सदस्यों के पाला बदलने से सबसे ज़्यादा फायदा हुआ है, जबकि कांग्रेस को सबसे ज़्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। जीतने के बाद भी विपक्षी दलों को चिंता है कि भाजपा उनके विधायकों को पाला बदलने के लिए मनाने की कोशिश करेगी – कई दलबदलू निर्णायक मौकों पर, जैसे कि सरकार के बहुमत साबित करने के समय होने वाले मतदान के दौरान। वे दलबदल क्यों करते हैं? अगर दलबदलुओं के अपने–अपने दल छोड़ने का कोई कारण है, तो भाजपा भी बिना किसी हिचकिचाहट के उन्हें गले लगा लेती है। इन नेताओं को डर है कि जब उनकी पार्टी सत्ता खो देगी, तो वे राजनीतिक रूप से अप्रासंगिक हो जायेंगे। प्रमुख पार्टी भाजपा के साथ गठबंधन करके, वे नियंत्रण हासिल करने और अपने बच्चों के लिए एक राजनीतिक भविष्य सुरक्षित करने की उम्मीद करते हैं। अन्य दलों के नेताओं को आकर्षित करने की भाजपा की सफल रणनीति एडीआर विश्लेषण में स्पष्ट है। यह दर्शाता है कि दल बदलने वाले 22प्रतिशत उम्मीदवार फिर से चुनाव लड़कर भाजपा में शामिल हो गये। इसके बाद 10 प्रतिशत कांग्रेस में और 6 प्रतिशत बसपा में शामिल हो गये। पिछले एक दशक में, भाजपा ने अन्य दलों के कई नेताओं को आकर्षित किया है, जिसने पूर्वोत्तर क्षेत्र में हेमंत विश्व शर्मा जैसे नेताओं के उदय में योगदान दिया है। भाजपा इन दलबदलुओं का स्वागत क्यों करती है? इसके तीन मुख्य कारण हैंरू पहला, इससे वह पार्टी कमजोर होती है जिससे दलबदल होता है। दूसरा, इससे भाजपा को स्थापित पार्टियों के जाने–माने नेताओं को अपने साथ लाने का मौका मिलता है, जिससे उसके रैंक मजबूत होते हैं। तीसरा, भाजपा में दूसरी पंक्ति के नेताओं की कमी को देखते हुए दलबदलुओं को अपने साथ लाना आसान है। ऐसा नहीं है कि असंतुष्टों ने भाजपा नहीं छोड़ी है। कल्याण सिंह, शंकरसिंह वाघेला और येदियुरप्पा (सभी मुख्यमंत्री) जैसे कुछ लोगों ने अपनी पार्टियां बनायीं लेकिन असफल होने पर भाजपा में वापस आ गये। भाजपा की गहरी वैचारिक मजबूती इसे एक साथ रखती है। भाजपा के पुराने वफादार सदस्य तब नाखुश होते हैं जब नये लोगों को अच्छे पद मिलते हैं जबकि वे पार्टी के प्रति वफादार रहे हैं। ऐसा पहले भी हो चुका है। वाजपेयी के नेतृत्व में पार्टी कुछ लोगों को ही शामिल कर पाई और बाकी लोग चले गये। पार्टी का विस्तार हो रहा है, पर इसके नेतृत्व पर अभी भी उच्च जाति का वर्चस्व है। भाजपा में ताकत है लेकिन इसकी विचारधारा, आक्रामक रवैये, आत्मसंतुष्टि और अहंकार के लिए आलोचना होती है। भाजपा की आगामी सदस्यता अभियान की ताकत का परीक्षण 2024 के लोक सभा चुनाव के बाद होने वाले विधान सभा चुनावों में होगा। हालांकि यह सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनावों में इसे केवल 240 सीटें मिलीं, जो बहुमत से 32 कम है।

शक्तिकपूर के 72वें जन्मदिन पर श्रद्धा ने अपने पसंदीदा पुरुष के लिए लिखा भावुक नोट

> श्रद्धा ने, जिनके इंस्टाग्राम पर ९.२७ करोड़ फॉलोअर्स हैं, अपने पापा के साथ एक तस्वीर साझा की। सेल्फी में देखा जा सकता है कि श्रद्धा गुलाबी रंग की पोशाक पहने हुए है और अपने पिता के करीब खड़ी हैं। उन्होंने फोटो के कैप्शन में लिखा, आज मेरे पसंदीदा पुरुष का जन्मदिन है! हैप्पी बर्थडे बाप।

शक्ति कपूर के 72वें जन्मदिन पर उनकी बेटी और अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने अपने पसंदीदा पुरुष के लिए एक भावनात्मक नोट लिखा, जिसमें उन्होंने अपने बापू के लिए प्यार दिखाया है। श्रद्धा ने, जिनके इंस्टाग्राम पर 9.27 करोड़ फॉलोअर्स हैं, अपने पापा के साथ एक तस्वीर साझा की। सेल्फी में देखा जा सकता है कि श्रद्धा गुलाबी रंग की पोशाक पहने हुए हैं और अपने पिता के करीब खड़ी हैं। उन्होंने फोटो के कैप्शन में लिखा, आज मेरे पसंदीदा पुरुष का जन्मदिन है! हैप्पी बर्थडे बाप। वो स्त्री है, वो कुछ भी कर सकती हैय क्योंकि उसके पापा का हाथ हर दम उसके सर पर है। लव यू बापू। इसपर करिश्मा कपूर ने कमेंट किया जन्मदिन मुबारक हो शक्ति जी। वरुण धवन ने लिखा, शक्स फ्रेश दिख रहे हैं। श्रद्धा ने वरुण को जवाब देते हुए कहा, ष्वह एक बिगस्टेप्पा ट्रेंडसेट्टा (पारिवारिक ट्रेंडसेटर) हैं। अगर शक्ति कपूर के करियर की बात करें तो उन्होंने, कसम खून की, अलीबाबा मरजीना, लूटमार, कुर्बानी, ये रिश्ता ना टूटे, खुदा कसम, सत्ते पे सत्ता, कानून मेरी मुट्ठी में, मेरा जवाब, यादों की कसम, इंसाफ मैं करूंगा, घर जमाई, कुली नंबर 1, दिलजले, जुड़वा, हीरो नंबर 1 जैसी फिल्मों का हिस्सा रह चुके हैं। वहीं, श्रद्धा कपूर ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 2010 की थ्रिलर तीन पत्ती से की, जिसमें उनके साथ अमिताभ बच्चन, बेन किंग्सले और आर. माधवन थे। उन्होंने मोहित सूरी द्वारा निर्देशित रोमांटिक म्यूजिकल आशिकी 2 में आरोही की भूमिका निभाई। फिल्म में आदित्य रॉय कपूर मुख्य भूमिका में थे। खूबसूरत अभिनेत्री एक विलेन, हैदर, एबीसीडी 2, हाफ गर्लफ्रेंड, हसीना पारकर, स्त्री, बत्ती गुल मीटर चालू, छिछोरे, स्ट्रीट डांसर जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। वह 3डी, बागी 3 और श्तू झूठी मैं मक्कार जैसी फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने हाल ही में अमर कौशिक द्वारा निर्देशित, निरेन भट्ट द्वारा लिखित और मैडॉक फिल्म्स तथा जियो स्टूडियो द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित हॉरर कॉमेडी स्त्री 2 सरकटे का आतंक में काम किया है। यह 2018 की फिल्म श्स्त्रीश का सीक्वल है। फिल्म में राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना मुख्य भूमिका में हैं।

माँ हेमा मालिनी से तुलना किए जानें से परेशान थी ईशा देओल? कहा- फिल्में रिलीज से पहले मुझे हो जाता था बेहद तनाव

फिल्म स्टार हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की बेटी ईशा देओल ने 2000 के दशक की शुरुआत में बहुत ही उत्सुकता के साथ अपनी फ़िल्मी शुरुआत की थी। हाल ही में एक साक्षात्कार में, ईशा ने याद किया कि जब उन्होंने अपनी पहली दो फ़िल्में साइन कीं, तो उन्हें अपने माता–पिता की विरासत को आगे बढ़ाने का ज़्यादा दबाव महसूस नहीं हुआ, लेकिन जैसे ही वे फ़िल्में रिलीज़ हुईं, वे दर्शकों की प्रतिक्रियाओं से "अत्यंत अभिभूत" होने लगीं। ईशा ने याद किया कि अक्सर उनकी तुलना उनकी माँ हेमा मालिनी से की जाती थी, जो लंबे समय से सुपरस्टार थीं और उन्हें लगा कि यह तुलना अनुचित है क्योंकि उन्होंने अभी–अभी अपना करियर शुरू किया था। उनकी पहली फ़िल्म 2002 में आई कोई मेरे दिल से पूछे थी। ज़ूम से बात करते हुए, ईशा ने कहा कि वह फ़िल्मों में काम शुरू करने को लेकर "बहुत उत्साहित" थीं, लेकिन "फ़िल्में रिलीज़ होने और चीज़ें लिखे जाने के बाद दबाव बढ़ने लगा। फिर मुझे लगा कि वे मेरी पहली फिल्म की तुलना मेरी मां से कर रहे हैं जिन्होंने 200 फिल्में की हैं। और वे मेरे बेबी फैट के बारे में बहुत कुछ कहते थे। 'ओह, उनमें बहुत बेबी फैट है'। मेरे पास था, मैं 18 साल की थी, वे गाल थे। लेकिन वे उन भूमिकाओं में क्यूट लग रहे थे, जिस तरह की भूमिकाएँ मैंने कीं, मुझे लगा कि वे अच्छी लग रही थीं।" ईशा ने कहा कि इस तरह की टिप्पणियाँ मिलने के बाद, उन्होंने अपनी माँ से बात की, जिन्होंने उनसे पूछा कि क्या वह इस पेशे में रहना चाहती हैं, क्योंकि मनोरंजन व्यवसाय में जीवित रहने के लिए मोटी चमड़ी की आवश्यकता होती है। "फिर मैंने अपनी माँ से बात की। मैंने उनसे कहा कि मैं थोड़ा अभिभूत हो रही हूँ और ये चीज़ें लिखी जा रही हैं। मुझे नहीं पता कि इसे कैसे संभालूँ, लेकिन यह मुझे प्रभावित कर रहा है। फिर उन्होंने कहा 'तुम यहाँ क्यों हो?' मैंने कहा कि मैं हमेशा से फिल्मों में शामिल होना और अभिनय करना चाहती थी और यह कुछ ऐसा है जो मैं बचपन से करना चाहती थी। उन्होंने कहा, 'बस लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करो, यह इसका हिस्सा होने जा रहा है, तुम मेरी बेटी हो, लगातार तुलना होने जा रही है। यदि आप इसे खुद पर प्रभाव डालने जा रहे हैं, तो आप गलत पेशे में हैं, यदि आप इसे संभाल सकते हैं, तो जारी रखें।' तो यह एक सुनहरा सुझाव था जो मुझे मिला। ईशा धूम, दस जैसी कई लोकप्रिय फिल्मों में दिखाई दीं। उन्हें आखिरी बार सुनील शेट्टी के साथ वेब सीरीज हंटर में देखा गया था।

रोहित शेट्टी के साथ अपने रिश्ते पर खुलकर बोलीं निमृत कौर अहलूवालिया

बिग बॉस 16 और 'फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 14' में नजर आने वाली मशहूर अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया ने निर्देशक रोहित शेट्टी की जमकर तारीफ की है। अपने विशाल व्यक्तित्व और मजबूत नेतृत्व के लिए मशहूर रोहित ने शो के दौरान अभिनेत्री पर एक खास प्रभाव छोड़ा है। रोहित शेट्टी के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में एक्ट्रेस ने कहा, रोहित सर निश्चित रूप से अब तक के सबसे अच्छे गुरु हैं। अलग–अलग परिस्थितियों में सेट पर उनके तरीके को देखकर मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। शो की शुरुआत में शुरू से ही मैं हमेशा उन्हें अपनी क्षमता दिखाने के लिए उत्सुक थी। उन्होंने मेरे प्रदर्शन की प्रशंसा की, लेकिन मुझे लगा कि मुझे और भी कुछ साबित करना है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि एक विशेष स्टंट के दौरान उन्हें ऐसा महसूस हुआ कि आखिरकार उन्होंने उनकी नजरों में अपनी जगह बना ली है। वैसे वह उस स्टंट में सफल नहीं हो पाई थीं। अभिनेत्री ने कहा, संभावनाएं मेरे पक्ष में नहीं थीं, लेकिन रोहित सर ने मेरे दृढ़ संकल्प और आगे बढ़ते रहने की मेरी इच्छा को पहचाना। वह वास्तव में मुझ पर गर्व महसूस कर रहे थे, जो मेरे लिए बहुत मायने रखता है। उन्होंने मुझसे कहा, जीवन में, हम कुछ जीतते हैं और कुछ हारते हैं, ईमानदारी और इरादा ही मायने रखता है। निमृत ने कहा कि वह पल कुछ ऐसा था जिसे वह कभी नहीं भूल पाएंगी। यह एक ऐसी याद है जो हमेशा उनके दिल में रहेगी। रोहित शेट्टी के साथ अपने संबंध ा के बारे में निमृत के दिल से निकले ये शब्द उनके प्रति उनके गहरे सम्मान और प्रशंसा को दर्शाते हैं। खतरों के खिलाड़ी में उनका सफर चुनौतियों और जीत से भरा रहा है, लेकिन रोहित शेट्टी की सलाह और मार्गदर्शन ने उन पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा है। इस बीच रोहित अपनी आगामी फिल्म 'सिंघम अगेन' की तैयारी कर रहे हैं, जो 1 नवंबर को रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 'सिंघम' फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है।

तुम्बाड की री-रिलीज का ट्रेलर आउट, 13 सितंबर को फिर से सिनेमाघरों में देखिए फिल्म का जादू!

तुम्बाड की री–रिलीज के साथ, सोहम शाह ने आज एक नया ट्रेलर जारी किया है। म्तवे छवू द्वारा प्रस्तुत इस ट्रेलर में 13 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में लौट रही इस फिल्म का एक आकर्षक पूर्वावलोकन देखने को मिला है। 2018 में आई इस फिल्म ने जबरदस्त असर छोड़ा था, और यह नया ट्रेलर दिखाता है कि क्यों यह आज भी खास है। ट्रेलर फिल्म की भयानक और कल्पनाशील दुनिया में ले जाता है, जहां हॉरर और फैंटेसी का अनोखा मेल देखने को मिलता है। फिल्म की सुंदर डिजाइन और साउंड को ट्रेलर में बेहतरीन तरीके से दिखाया गया है, जो दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ाता है। इस री–रिलीज के साथ, पुरानी फैंस और नए दर्शकों को तुम्बाड का अनुभव करने का एक नया मौका मिलेगा। फिल्म ने 64वें फिल्मफेयर अवार्ड्स में कई पुरस्कार जीते थे, और यह 75वें वेनिस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पहली बार प्रदर्शित हुई थी। राही अनिल बारवे द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण सोहम शाह, आन्नंद एल. राय, मुकेश शाह और अमिता शाह ने किया है। फिल्म में सोहम शाह, ज्योति माल्शे और Anita Date-Kelkar के शानदार प्रदर्शन के लिए जानी जाती है।

टीवी एक्ट्रेस नीति टेलर ने की बेटे के जन्म की घोषणा, बताया कितने वजन का है बच्चा

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस नीति टेलर ने हाल ही में बेटे के जन्म की घोषणा की है। ऐसे में लोग मान बैठे की एक्ट्रेस मां बनी है लेकिन वह मां नहीं मासी बनी है। उनकी बड़ी बहन अदिति परभु ने एक बच्चे को जन्म दिया है। नीति ने अपने भतीजे के जन्म की घोषणा की और उसी के बारे में प्यारी जानकारी साझा की। नीति ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए अपने फैंस के साथ खुशखबरी साझा की है। उन्होंने बेटे के नन्हे पैरों की एक झलक साझा करते हुए बताया कि उसका जन्म 2 सितंबर, 2024 को सुबह 7.33 बजे हुआ। जन्म के समय नन्हे बच्चे का वजन 3.32 किलोग्राम था, यह सारी जानकारी उसके पैरों पर लिखे एक टेक्स्ट के रूप में दी गई है। अभिनेत्री ने अपनी अगली पोस्ट में बताया कि वह फिर से मासी बनकर कितनी खुश हैं। नीति श्कैसी ये यारियांश शो में श्नंदिनीश के रोल से घर–घर में मशहूर हो गईं। इसके अलावा, उन्हें झलक दिखला जा 10श में भी देखा गया था। उन्होंने 2020 में भारतीय सेना अधिकारी, परीक्षित बावा से शादी की। कुछ समय पहने नीति के फैंस उस समय चिंता में आ गए थे जब उन्होंने अपने इंस्टा हैंडल से अपने पति का सरनेम हटा दिया था। उस समय दावा किया गया था कि एक्ट्रेस अपने निजी जीवन में समस्याओं का सामना कर रही है। इसके बाद यह बात सामने आई थी कि नीति ने ज्योतिषीय कारणों से अपने इंस्टा से अपने पति का नाम हटा दिया था और इससे ज्यादा कुछ नहीं।

सेहत बना नहीं बिगाड़ रहा है डिब्बाबंद जूस, इसमें फल से ज्यादा होती है चीनी

विशेषज्ञों ने चेताया कि पैकेज्ड जूस, यहां तक कि स्वस्थ लेबल वाले भी सेहत के लिए खतरनाक हैं और उनमें पोषण मूल्य कम हैं। उन्होंने इनसे बचने की जरूरत पर बल दिया। प्रोसेस्ड जूस में फाइबर, विटामिन और मिनरल की भी कमी होती है। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह हर साल 1 सितंबर से 7 सितंबर तक मनाया जाता है। इस साल का थीम श्सभी के लिए पौष्टिक आहार है।

पैकेज्ड जूस में फलों का गूदा होता है कम

फोर्टिस अस्पताल, शालीमार बाग की यूनिट बाग की यूनिट हेड– डायटेटिक्स डॉ. श्वेता गुप्ता ने कहा– पैकेज्ड जूस में आमतौर पर फलों का गूदा कम होता है और इनमें चीनी की मात्रा अधिक होने के कारण ये अस्वस्थ होते हैं, जिससे मधुमेह और मोटापे का खतरा होता है – जो देश में बढ़ती स्वास्थ्य चिंता है। ऐसे में पैकेज्ड जूस की बजाय ताजे फल खाने की भी सिफारिश की जा रही है।

पैकेज्ड जूस में नहीं होता विटामिन, खनिज, फाइबर

विशेषज्ञों का कहना है कि–जब जूस तैयार किया जाता है, तो गूदा निकाल दिया जाता है और इसके साथ ही इसके विटामिन, खनिज, फाइबर भी निकल जाते हैं। इसलिए, अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए जूस, खासकर पैकेज्ड जूस से बचें। दिल्ली के सीके बिड़ला अस्पताल में मिनिमल एक्सेस, जीआई और बैरिएट्रिक सर्जरी के निदेशक डॉ. सुखविंदर सिंह सग्गू ने बताया कि पैकेज्ड फलों के जूस का सेवन करने से वजन बढ़ सकता है, इंसुलिन प्रतिरोध और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

फ्रूट जूस में फल से ज्यादा होती है चीनी

विशेषज्ञों का मानना है कि अपने स्वस्थ ब्रांडिंग के बावजूद, पैकेज्ड फ्रूट जूस में अक्सर अतिरिक्त चीनी होती है और पूरे फलों से मिलने वाले आवश्यक पोषक तत्व और फाइबर नहीं होते। इसके अलावा, इन जूस को बनाने में शामिल प्रसंस्करण अक्सर लाभकारी एंजाइमों को नष्ट कर देता है और उत्पाद की समग्र गुणवत्ता को कम कर देता है। अगर आप स्वस्थ आहार बनाए रखने का लक्ष्य बना रहे हैं, तो पैकेज्ड फ्रूट जूस से पूरी तरह बचना सबसे अच्छा है। इसके बजाय पूरे फल या ताजा निचोड़ा हुआ जूस चुनें, क्योंकि वे आपके शरीर को आवश्यक संपूर्ण पोषण प्रोफाइल प्रदान करते हैं।

चाणक्य नीति के इन 4 बातों को जानकर आप भी अपने बच्चों के व्यवहार को बना सकते हैं बेहतर

हर माता–पिता की चाहत होती है कि उनके बच्चे न केवल गुणी हों बल्कि समझदार भी हों। वे चाहते हैं कि बच्चे जीवन में सफलता प्राप्त करें और बुरे कार्यों से दूर रहकर अच्छे कर्म करें। अक्सर, माता–पिता यह काम बच्चे के बड़े होने पर या जन्म के बाद करना शुरू करते हैं। लेकिन चाणक्य, जो भारतीय राजनीति और अर्थशास्त्र के महान दार्शनिक थे, ने अपनी नीतियों में कुछ महत्वपूर्ण बातें साझा की हैं, जो हमें बच्चों के व्यवहार को सुधारने में मदद कर सकती हैं। चाणक्य के अनुसार, अच्छे गुण और व्यवहार की नींव सही प्रकार से रखी जा सकती है।

चाणक्य नीति के अनुसार बच्चों के व्यवहार को सुधारने के लिए 4 महत्वपूर्ण बातें

सद्गुणों का आदान–प्रदान

चाणक्य ने कहा, कि जैसे दीपक अंधकार को समाप्त करता है और काजल उत्पन्न करता है, वैसे ही यदि व्यक्ति अपने अच्छे कार्यों के माध्यम से अपनी आजीविका चलाता है, तो उसकी संतान भी सद्गुणों से युक्त होती है। इसलिए, अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देने के लिए स्वयं अच्छे गुणों का पालन करें। जब आप खुद ईमानदार और अच्छे इंसान होंगे, तो आपके बच्चे भी आपके गुणों को अपनाएंगे और सद्गुणी बनेंगे।

अनुशासन और नियमों का पालन

चाणक्य ने स्पष्ट रूप से बताया है कि अनुशासन और नियम पालन का महत्व अत्यधिक होता है। बच्चों को छोटे–छोटे नियमों का पालन सिखाना उन्हें जिम्मेदार और अनुशासित बनाता है। अनुशासन केवल बाहरी नियमों का पालन नहीं है, बल्कि यह बच्चे के भीतर एक संयम और सेल्फ कंट्रोल को भी विकसित करता है। इस तरह के अनुशासन से बच्चे अपने जीवन में सही निर्णय लेने में सक्षम होते हैं और उनका व्यवहार भी सुधरता है।

अच्छे आहार और जीवनशैली का महत्व

चाणक्य ने अच्छे आहार और जीवनशैली पर भी जोर दिया है। उनका मानना था कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का सीधा संबंध अच्छे आहार से होता है। बच्चों को पोषक तत्वों से भरपूर आहार देने से उनकी शारीरिक और मानसिक विकास होता है, जो उनके व्यवहार पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। अच्छे स्वास्थ्य के साथ–साथ एक नियमित जीवनशैली, जिसमें उचित नींद और व्यायाम शामिल हो, बच्चों के व्यवहार को सुधारने में सहायक होती है।

सकारात्मक उदाहरण और मार्गदर्शन

चाणक्य का मानना था कि माता–पिता के अपने खुद के आचरण से बच्चों पर प्रभाव पड़ता है। यदि आप खुद एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करेंगे, तो बच्चे भी उन गुणों को अपनाएंगे। अपने व्यवहार, निर्णय और कार्यों से बच्चों को सही मार्गदर्शन दें। यह न केवल उनके नैतिक विकास को बढ़ावा देता है बल्कि उनके सामाजिक व्यवहार को भी सुधारता है।

चाणक्य की नीतियों के अनुसार, अपने बच्चों के व्यवहार को सुधारने के लिए आपको स्वयं अच्छे गुणों का पालन करना होगा, अनुशासन और नियमों का महत्व समझाना होगा, सही आहार और जीवनशैली अपनानी होगी, और सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। इन बातों को अपनाकर आप अपने बच्चों को एक आदर्श व्यक्तित्व और उत्कृष्ट व्यवहार के साथ विकसित कर सकते हैं।

क्या सच में बर्थ कंट्रोल पिल लेने से ब्रेस्ट साइज बढ़ने लगता है? जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट

आमतौर पर महिलाएं अनचाहे गर्भ से बचने के लिए कई बार बर्थ कंट्रोल पिल लेने लगती है। इसका प्रयोग तब होता है, जब पार्टनर के साथ शरीरिक संबंध बनाने के लिए कंडोम का उपयोग न करके बर्थ पिल महिलाएं लेती हैं। गौरतलब है कि बर्थ कंट्रोल पिल एक तरह के हार्मोन होते हैं, जिसकी मदद से गर्भ को ठहरने से रोका जाता है। एक्सपर्ट बताते हैं बर्थ कंट्रोल पिल का अत्याधिक इस्तेमाल करने से शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं। कुछ लोगों मानना है कि बर्थ कंट्रोल पिल लेने से ब्रेस्ट साइज बढ़ने लगता है। आइए जानते हैं–

क्या बर्थ कंट्रोल पिल लेने से ब्रेस्ट साइज बढ़ सकता है?

बर्थ कंट्रोल पिल को लेने के बाद महिला को सिरदर्द, मतली, एक्ने और वजन बढ़ने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। हालांकि, कुछ समय बाद अपने आप ये समस्याएं कम भी हो जाती हैं। कुछ महिलाओं को ब्रेस्ट टेंडरनेस भी महसूस होती है। एक्सपर्ट के मुताबिक, हां ऐसा होता है कि बर्थ कंट्रोल पिल लेने से ब्रेस्ट का साइज बढंने लगता है। क्योंकि बर्थ कंट्रोल पिल में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन नाम के हार्मोन होते हैं। जिस वजह से ब्रेस्ट टिश्यू ग्रो करते हैं और फ्लूइड रिटेंशन भी होता है। जानकारी के लिए बता दें कि फ्लूइड रिटेंशन एक तरह की स्वेलिंग होती है, जिसे हम एडिमा के नाम से भी जानते हैं। बर्थ कंट्रोल पिल ब्रेस्ट में फ्लूइड रिटेंशन को बढ़ावा देकर सूजन का कारण बन सकते हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का यह भी दावा है कि बर्थ कंट्रोल पिल के कारण ब्रेस्ट साइज में आया बदलाव, लेकिन कुछ समय बाद यह सामान्य हो जाते है।

बर्थ कंट्रोल पिल लेने के नुकसान

– बर्थ कंट्रोल पिल लेने से मतली, चक्कर आना और सिरदर्द होने लगता है।

– इस पिल की वजह से महिला को बार–बार मूड स्विंग भी होने लगते हैं। लेकिन, कंट्रोसेप्टिसव का यह साइड इफेक्ट हो सकता है।

–अक्सर बर्थ कंट्रोल पिल लेने से पीरियड्स के बीच स्पॉटिंग की समस्या भी देखी गई है। हालांकि, इस तरह की समस्या फ्रिक्वेंटली नहीं होती है। अगर ऐसा होता है, तो आप एक बार अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

क्या फाइबर रिच फूड खाने से आपका भी पेट फूलता है? तो इन टिप्स को फॉलो करें

फाइबर स्वस्थ आहार का एक अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन कई लोग इसे खाने पर पेट फूलने या गैस का अनुभव करते हैं। तो, ऐसा क्यों होता है? घुलनशील फाइबर, जो ओट्स, सेब और गाजर जैसे खाद्य पदार्थों में पाया जाता है, आपके पेट में बैक्टीरिया द्वारा उफन होता है। यह किण्वन प्रक्रिया गैस पैदा करती है, जिससे आपको पेट फूलने का एहसास हो सकता है। इसके अलावा, फाइबर पानी को अवशोषित करता है और एक जेल जैसा पदार्थ बनाता है जो भोजन को आपके पाचन तंत्र से आसानी से गुजरने में मदद करता है। लेकिन अगर आप पर्याप्त पानी नहीं पीते हैं, तो वह फाइबर कठोर और भारी हो सकता है, जिससे कब्ज और बेचैनी हो सकती है। यह जानना भी महत्वपूर्ण है कि सभी फाइबर एक जैसे नहीं होते। अघुलनशील फाइबर, जो साबुत अनाज और सब्जियों में पाया जाता है, आपके मल को भारी बनाता है, जबकि घुलनशील फाइबर सब कुछ ठीक से चलने में मदद करता है। इन दो प्रकार के फाइबर के बीच असंतुलन पाचन को बाधित कर सकता है और अवांछित गैस का कारण बन सकता है। आइए जानते हैं प्रसिद्ध डाइटशियन नममि से फाइबर के कारण पेट फूलना और गैस से बचने के लिए तीन आसान उपाय बताए है।

अपने भोजन के साथ नींबू पानी पिएं

हर फाइबर युक्त भोजन के साथ एक गिलास नींबू पानी पीने से पाचन क्रिया बेहतर होती है। नींबू की अम्लता फाइबर को तोड़ने में मदद करती है और आपके पाचन तंत्र को सुचारू रूप से चलाने में मदद करती है।

धीरे–धीरे फाइबर का सेवन शुरू करें

अगर आप फाइबर का सेवन शुरू करने वाले नहीं हैं या इसे बढ़ाना चाहते हैं, तो धीरे–धीरे करें। बहुत ज़्यादा फाइबर का सेवन बहुत जल्दी करने से आपका पाचन तंत्र प्रभावित हो सकता है। इसके बजाय, कुछ हफ़्तों तक धीरे–धीरे सेवन करें ताकि आपका शरीर स्वाभाविक रूप से समायोजित हो जाए।

अपने फाइबर सेवन को संतुलित करें

घुलनशील और अघुलनशील फाइबर को मिलाकर आप दोनों के फायदे पा सकते हैं, बिना किसी नुकसान के। उदाहरण के लिए, अपने पाचन को संतुलित और गैस मुक्त रखने के लिए ओट्स और सेब को साबुत अनाज और सब्जियों के साथ मिलाएं।

करेले के साथ भूलकर भी नहीं करना चाहिए इन चीजों का सेवन, बीमार हो सकते हैं आप

करेले का सेवन हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है और यह शरीर को कई बीमारियों से बचाता है। लेकिन अगर आप करेले का सेवन गलत चीजों के साथ करते हैं, तो यह आपको बीमार भी कर सकता है। वहीं आयुर्वेद में विरुद्ध आहार खाने से मना किया जाता है। वरना आपको पेट संबंधी समस्या हो सकती है। बता दें कि आयुर्वेद में हर बीमारी के इलाज के बारे में बताया गया है। वहीं आयुर्वेद में खानपान के तरीकों के बारे में बताया जाता है।

आयुर्वेद में कुछ चीजों को साथ या आसपास खाने की मनाही होती है। क्योंकि यह मिलकर विरुद्ध आहार बन जाता है और आपके शरीर को नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि करेले के साथ किन चीजों को नहीं खाना चाहिए।

करेले की सब्जी के फायदे

बता दें कि करेले में कैल्शियम आयरन, मैग्नीशियम, विटामिन सी, विटामिन बी6, फाइबर, फॉस्फोरस, पोटैशियम, फोलेट, विटामिन ए पाया जाता है। करेले का सेवन से हाई कोलेस्ट्रॉल, डायबिटीज और मोटापे जैसी बीमारी को दूर करने में मदद करता है।

दूध

एक रिपोर्ट के मुताबिक करेला खाने या करेले का जूस पीने के बाद दूध का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे शरीर को नुकसान होता है और इन दोनों को साथ में खाने से सीने में जलन हो सकती है। वहीं आंतें बंद होने के कारण कब्ज की शिकायत हो सकती है।

आम

बहुत सारे लोगों को आम खाना काफी ज्यादा पसंद होता है। लेकिन आम को करेले के साथ नहीं खाना चाहिए। इन दोनों को साथ में खाने से सीने में जलन, एसिडिटी और जी मितलाने की समस्या हो सकती है।

मूली

मूली और करेले का भी एक साथ सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि यह दोनों चीजें साथ में खाने से शरीर को नुकसान हो सकता है। इसके कारण पेट में गैस बन सकती है और बलगम ज्यादा बनने लगता है।

भिंडी

करेला खाने के फौरन बाद या पहले भिंडी नहीं खाना चाहिए। इसके कारण आपका डायजेशन खराब हो सकता है। ऐसे में करेले और भिंडी को अलग–अलग मील के अंदर खाना चाहिए।

दही

इसके अलावा दही को करेले के साथ खाने से स्किन एलर्जी हो सकती है। इन दोनों चीजों को एक साथ खाने से शरीर पर चकत्ते और रैशेज हो सकते हैं।

संक्षिप्त

देश के 78 लाख EPS पेंशनभोगियों के लिए खुशखबरी! अब किसी भी बैंक और शाखा से मिल जाएगी पेंशन

रिटायर होने के बाद पेंशन पाने वाले लोगों को सरकार ने बड़ी खुशी दी है। इससे उनकी सबसे बड़ी परेशानी खत्म होती दिखाई दे रही है। दरअसल, कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 के लिए एक केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) के प्रस्ताव को केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री और ईपीएफ के केंद्रीय न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया है। 4 सितंबर, 2024 को जारी प्रेस सूचना ब्यूरो की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह प्रणाली ईपीएस पेंशनभोगियों को 1 जनवरी, 2025 से भारत में किसी भी बैंक, शाखा या स्थान से अपनी पेंशन प्राप्त करने में सक्षम बनाएगी। सीपीपीएस एक राष्ट्रीय स्तर की केंद्रीकृत प्रणाली प्रदान करके एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है जो भारत में किसी भी बैंक या शाखा के माध्यम से पेंशन भुगतान की अनुमति देता है। केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली से 78 लाख से अधिक ईपीएफओ ईपीएस पेंशनभोगियों को लाभ होने का अनुमान है। उन्नत आईटी और वित्तीय प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर, पेंशनभोगियों को अधिक कुशल, निर्बाध और उपयोगकर्ता के अनुकूल अनुभव प्राप्त होगा। सेवानिवृत्त लोगों के लिए जो सेवानिवृत्ति के बाद अपने गृहनगर में स्थानांतरित हो जाते हैं, यह एक बड़ी राहत होगी। वर्तमान विकेन्द्रीकृत पेंशन संवितरण प्रणाली, जिसमें प्रत्येक ईपीएफओ जोनल/क्षेत्रीय कार्यालय केवल तीन से चार बैंकों के साथ व्यक्तिगत व्यवस्था बनाए रखता है, को सीपीपीएस द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त, पेंशनभोगियों को लाभ शुरू होने पर किसी भी प्रकार के सत्यापन के लिए शाखा में जाने की आवश्यकता नहीं होगी, और उनकी पेंशन जारी होने के तुरंत बाद जमा की जाएगी। इसके अलावा, ईपीएफओ का अनुमान है कि नई प्रणाली पर स्विच करने से पेंशन भुगतान में बड़ी लागत बचत होगी। 1 जनवरी, 2025 से शुरू होकर, यह सुविधा ईपीएफओ के केंद्रीकृत आईटी सक्षम सिस्टम (सीआईटीईएस 2.01) के हिस्से के रूप में उपलब्ध कराई जाएगी, जो एक चल रही आईटी आधुनिकीकरण पहल है। सीपीपीएस का अगला चरण आधार–आधारित भुगतान प्रणाली (एबीपीएस) पर आसान स्विच की सुविधा प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त, उस स्थिति में भी जब कोई पेंशनभोगी बैंक या शाखाएं स्थानांतरित करता है या स्विच करता है, सीपीपीएस एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) के हस्तांतरण की आवश्यकता के बिना पूरे भारत में पेंशन वितरण की गारंटी देगा।

ग्लेनमार्क अमेरिकी अधिकारियों के साथ समझौते के तहत 2.5 करोड़ डॉलर का करेगी भुगतान

ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स ने एक जेनेरिक दवा के मूल्य निर्धारण से संबंधित मामले में अमेरिकी न्याय विभाग के साथ समझौते के तहत 2.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की है। कंपनी ने बुधवार देर रात शेयर

बाजार को दी सूचना में बताया, मुंबई स्थित दवा निर्माता की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स इंक, यूएसए ने 28 मई 2024 से 4.25 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से निपटान राशि पर ब्याज के साथ पांच वर्षों में छह किस्तों में राशि का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की है। अमेरिकी न्याय विभाग के सिविल डिवीजन ने ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स इंक, यूएसए के साथ एक समझौते में झूठे दावों से जुड़े अधिनियम और रिश्वत विरोधी कानून की जांच पूरी कर ली है। इसके बाद ही कंपनी भुगतान पर सहमत हुई है।

यात्री वाहन की खुदरा बिक्री में अगस्त में पांच प्रतिशत की गिरावट

ग्राहक खरीद में देरी, खराब उपभोक्ता धारणा तथा लगातार भारी बारिश के कारण भारत में यात्री वाहन की खुदरा बिक्री में अगस्त में सालाना आधार पर पांच प्रतिशत की गिरावट आई। उद्योग संगठन फाडा ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अगस्त में कुल 3,09,053 यात्री वाहन (पीवी) का पंजीकरण हुआ, जबकि अगस्त 2023 में यह संख्या 3,23,720 थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने बयान में कहा, '' त्यौहारी मौसम के बावजूद बाजार पर काफी दबाव बना हुआ है... वाहन अब 70–75 दिन तक गोदाम में रखे रहते हैं... और 'इन्वेंट्री' कुल 7.8 लाख वाहनों की है, जिसका मूल्य 77,800 करोड़ रुपये है।'' उन्होंने कहा कि स्थिति पर प्रतिक्रिया देने के बजाय, पी.वी. मूल उपकरण निर्माता (ओ.ई.एम.) मासिक आधार पर डीलर को भेजे जाने वाले सामानों की संख्या में वृद्धि कर रहे हैं, जिससे समस्या और भी गंभीर हो रही है। सिंघानिया ने कहा, '' फाडा सभी बैंकों तथा एनबीएफसी से तत्काल हस्तक्षेप करने और अत्यधिक 'स्टॉक' रखने वाले डीलर को दिए जाने वाले वित्तपोषण को नियंत्रित करने का आग्रह करता है।'' उन्होंने कहा कि इन डीलर को भी अपनी वित्तीय स्थिति की रक्षा के लिए अतिरिक्त 'स्टॉक' रखना बंद करने के लिए तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

बीसीसीआई एजीएम 29 सितंबर को : सचिव का चुनाव नहीं, नए एनसीए का होगा उद्घाटन

बीसीसीआई की 93वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) यहां 29 सितंबर को होगी लेकिन इस बैठक में बोर्ड के नए सचिव का चुनाव होने की संभावना नहीं है। हालांकि एजीएम शहर के बाहरी इलाके में अत्याधुनिक राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के उद्घाटन के दौरान ही होगी क्योंकि बोर्ड के सभी सदस्य शहर में मौजूद रहेंगे।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की 93वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) यहां 29 सितंबर को होगी लेकिन इस बैठक में बोर्ड के नए सचिव का चुनाव होने की संभावना नहीं है। हालांकि एजीएम शहर के बाहरी इलाके में अत्याधुनिक राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के उद्घाटन के दौरान ही होगी क्योंकि बोर्ड के सभी सदस्य शहर में मौजूद रहेंगे। दो दशक से अधिक समय पहले अस्तित्व में आने के बाद से एनसीए एम चिन्नास्वामी स्टेडियम परिसर से संचालित हो रहा है। एजीएम में बीसीसीआई के नए सचिव का चुनाव नहीं होगा लेकिन इस बैठक में चुनाव के लिए विशेष आम बैठक (एसजीएम) की तारीख तय की जा सकती है। निवर्तमान सचिव जय शाह के सर्वसम्मति से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का चेयरमैन चुने जाने के बाद नए सचिव की नियुक्ति अनिवार्य हो गई है। शाह हालांकि एमजीएम में बीसीसीआई सचिव की अपनी मौजूदगी भूमिका नहीं छोड़ेंगे क्योंकि उन्हें आईसीसी चेयरमैन का प्रभार एक दिसंबर से संभालना है। सभी राज्य संघों को भेजे गए बैठक के 18 सूत्री एजेंडे में अन्य महत्वपूर्ण बिंदु आईसीसी बैठकों में बीसीसीआई के प्रतिनिधि की नियुक्ति है क्योंकि शाह अब उस भूमिका के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। आईसीसी में बोर्ड के प्रतिनिधि के लिए बीसीसीआई के मौजूदा अध्यक्ष रोजर बिन्नी के नाम पर चर्चा हो सकती है या यह पद नए सचिव को मिल सकता है। लेकिन 69 वर्षीय बिन्नी के लिए उम्र उनके पक्ष में नहीं है क्योंकि प्रशासन में शामिल होने के लिए अधिकतम उम्र 70 वर्ष है। इन दो महत्वपूर्ण मामलों के अलावा एजीएम में आईपीएल की संचालन परिषद में आम सभा के दो और भारतीय क्रिकेटर्स संघ (आईसीए) के एक प्रतिनिधि को शामिल किया जाएगा। एजीएम में बोर्ड की कुछ नियमित गतिविधियां भी शामिल होंगी जैसे 2024–25 के लिए वार्षिक बजट को स्वीकृति और लोकपाल तथा आचरण अधिकारी की नियुक्ति। बैठक में बीसीसीआई संविधान के अनुसार क्रिकेट समिति और स्थायी समिति की नियुक्ति की जाएगी, साथ ही नियम 27 के तहत नई अंपायर समिति का गठन किया जाएगा। एजीएम में घरेलू क्रिकेट से संबंधित शीर्ष परिषद द्वारा बनाए गए नियमों को मंजूरी देने के अलावा 'यौन उत्पीड़न रोकथाम नीति के तहत गठित बीसीसीआई की आंतरिक समिति की रिपोर्ट' पर भी विचार किया जाएगा।

दलिप ट्रॉफी 2024 में अक्षर पटेल का कमाल का प्रदर्शन, फिफ्टी पूरी कर इंडिया डी के लिए बने संकटमोचक

दलीप ट्रॉफी 2024 के पहले राउंड में आज इंडिया सी वर्सेस इंडिया डी के बीच मैच खेला जा रहा है। अनंतपुर में खेले जा रहे इस मैच में इंडिया डी को पहले बल्लेबाजी करने का मौका मिला। जहां इंडिया सी के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर और इंडिया डी को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। इंडिया डी की शुरुआत बेहद खराब रही और 48 रनों तक टीम ने 6 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद क्रीज पर आए अक्षर पटेल और उन्होंने साबित कर दिया कि क्यों उन्हें संकटमोचक कहा जाता है। अक्षर ने 118 गेंदों पर 86 रनों की पारी खेली। एक समय तो ऐसा लगा रहा था इंडिया 100 रन भी नहीं बना पाएगा, लेकिन अक्षर की तेज तर्रार पारी ने स्कोरबोर्ज पर कम से कम पहली पारी में 150 से ज्यादा रन तो खड़े कर दिए। 74 गेंद पर जब अक्षर 37 रन बनाकर खेल रहे थे, उसके बाद उन्होंने छक्का, चौका और छक्का लगाकर अपना पचासा पूरा किया। 78 गेंद पर उनका स्कोर फिर 53 रन पहुंच गया। अक्षर का साथ अर्शदीप सिंह ने भी निभाया, जिन्होंने 33 गेंदों पर 13 रन बनाए। अर्शदीप के अलावा श्रीकर भरत और सारांश जैन ने भी 13–14 रनों की पारियां खेलीं। अक्षर ने अपनी पारी के दौरान 118 गेंदों का सामना किया और इस दौरान उनके बल्ले से 6 चौके और इतने ही छक्के निकले। इंटरनेशनल क्रिकेट में भी अक्षर इस तरह की मुश्किल परिस्थितियों से टीम इंडिया को बाहर निकाल चुके हैं। अक्षर बैट के साथ–सात गेंद से भी कमाल करने में माहिर हैं।

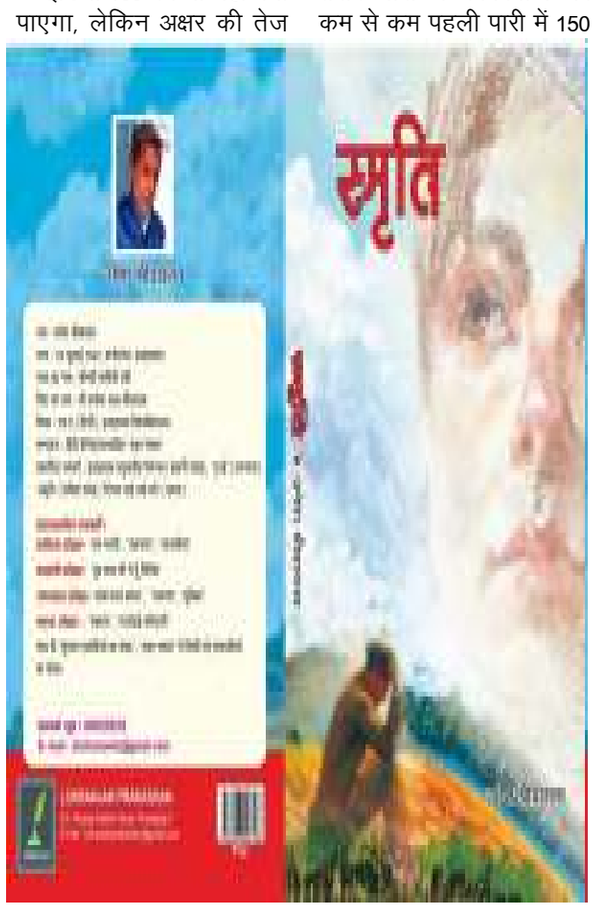

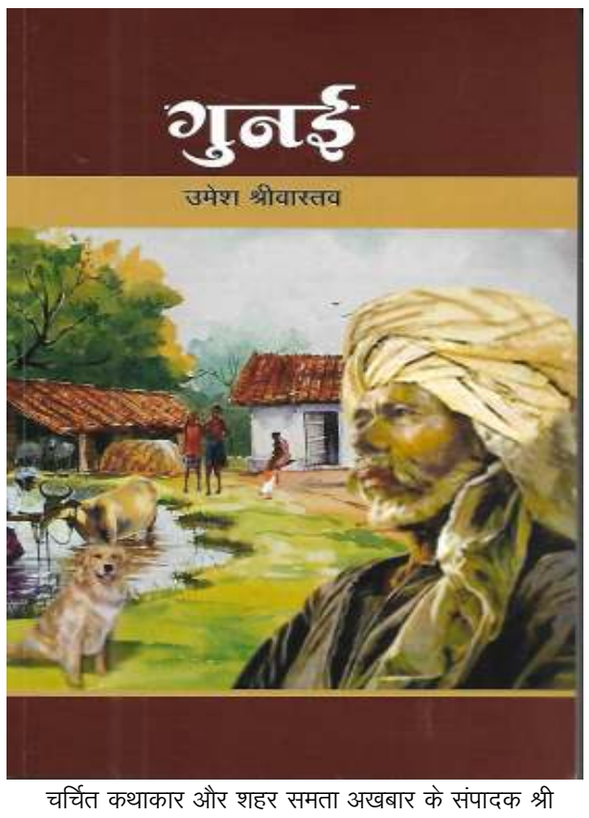

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

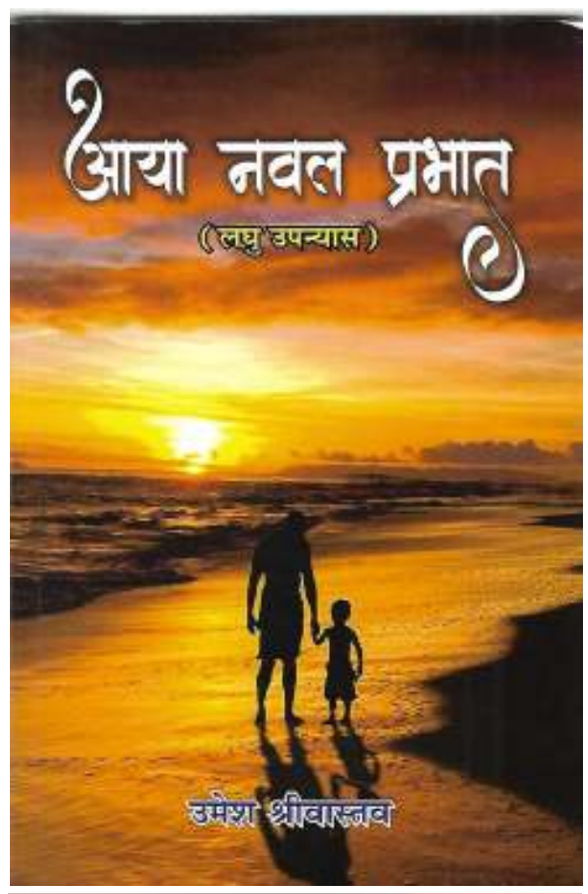

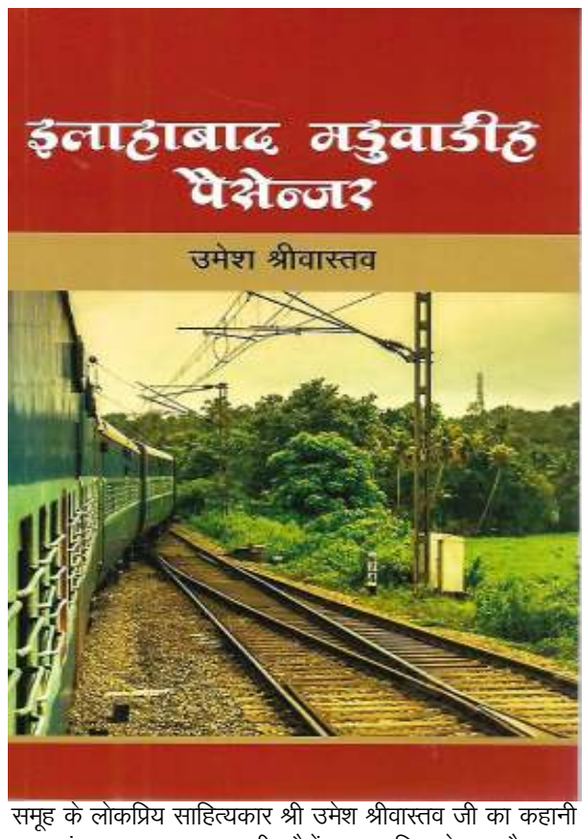

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

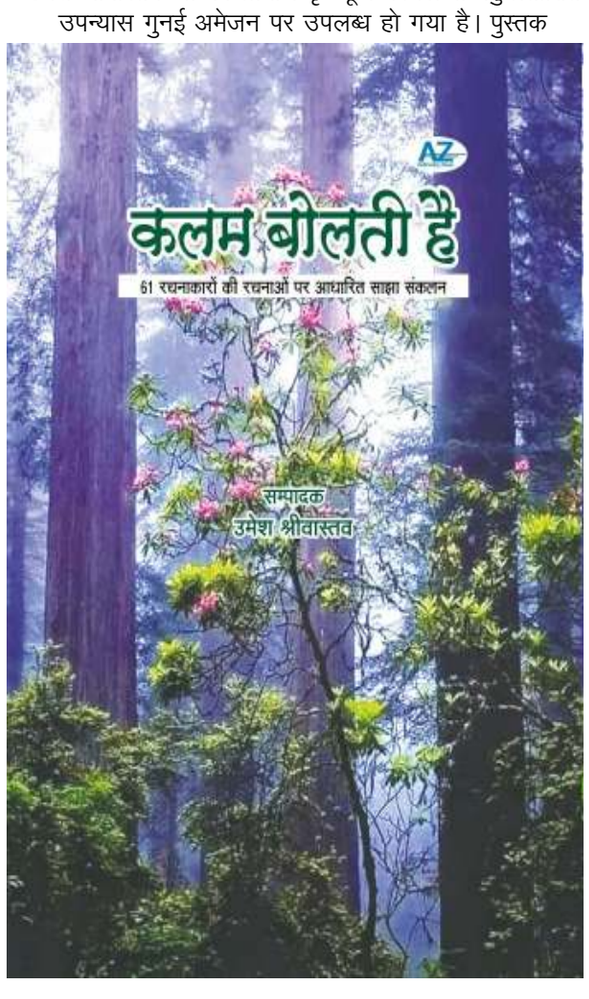

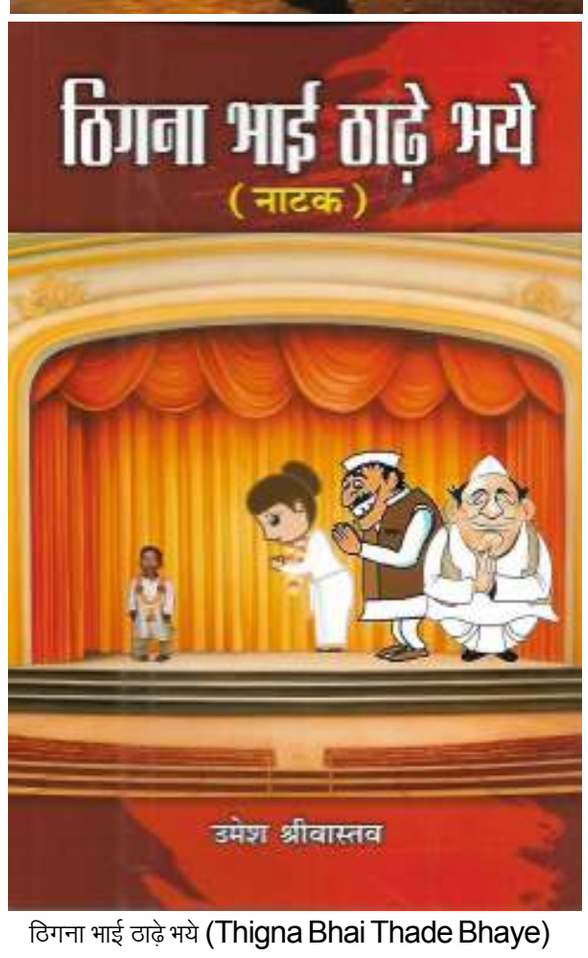

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

'एअर इंडिया' के विमान को मॉस्को में एहतियातन उतरा गया, बाद में बर्मिंघम रवाना

दिल्ली से बर्मिंघम जा रहे 'एअर इंडिया' के एक विमान को संदिग्ध तकनीकी खामियों के कारण बुधवार को एहतियातन मॉस्को में उतारा गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि आवश्यक जांच के बाद विमान ने

मॉस्को से उड़ान भरी और बृहस्पतिवार सुबह बर्मिंघम में उतरा। विमानन कंपनी एअर इंडिया ने इस पर अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध तकनीकी समस्याओं के कारण विमान को मॉस्को के शेरेमेत्येवो हवाई अड्डे पर एहतियातन उतारा गया। जांच के बाद विमान बर्मिंघम के लिए रवाना हुआ। विमान में सवार यात्रियों की संख्या के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है।

यूक्रेन युद्ध समाप्त करने में हर देश की मदद का स्वागत करता है अमेरिका : व्हाइट हाउस

अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने कहा है कि अमेरिका ऐसे किसी भी देश का स्वागत करता है जो यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने में मदद करने का प्रयास करना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल में रूस की यात्रा के बाद यूक्रेन की यात्रा की थी। इसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने मोदी से फोन पर बात की। किर्बी से बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में इस बातचीत के संबंध में सवाल किया गया और उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें

लगता है कि भारत युद्ध को समाप्त करने में भूमिका निभा सकता है। किर्बी ने कहा, ''ऐसा कोई भी देश जो इस युद्ध को समाप्त करने में मदद करने के लिए तैयार है और राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के विशेषाधिकारों, यूक्रेनी लोगों के विशेषाधिकारों, न्यायपूर्ण शांति स्थापना की उनकी योजना को ध्यान में रखते हुए ऐसा करता है, हम उसकी भूमिका का निश्चित ही स्वागत करेंगे।'' यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें लगता है कि भारत शांति कायम करने में भूमिका निभा सकता है, 'व्हाइट हाउस' के अधिकारी ने कहा, ''हम निश्चित रूप से ऐसी उम्मीद करते हैं।'' बाइडन ने फोन पर बातचीत के दौरान मोदी की पोलैंड और यूक्रेन की ऐतिहासिक यात्राओं के लिए उनकी सराहना की, जो दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी। उन्होंने यूक्रेन में शांति स्थापना और मानवीय मदद के उनके संदेश की भी सराहना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगापुर के अपने समकक्ष वोंग से मुलाकात की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिंगापुर के अपने समकक्ष लॉरेंस वोंग से बृहस्पतिवार को मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की। मोदी वोंग के निमंत्रण पर दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए हैं। वोंग के साथ वार्ता से पहले

मोदी का सिंगापुर संसद भवन में औपचारिक स्वागत किया गया। उन्होंने वहां आगंतुक पुस्तिका पर हस्ताक्षर भी किए। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात वोंग के सिंगापुर का प्रधानमंत्री बनने और मोदी के प्रधानमंत्री के रूप में अपना तीसरा कार्यकाल शुरू करने के कुछ दिनों बाद हुई है। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम से भी बाद में मुलाकात करेंगे।

जॉर्जिया के हाई स्कूल में हुई गोलीबारी में कुछ लोग घायल

जॉर्जिया के एक हाई स्कूल में गोलीबारी की घटना में कुछ लोगों के घायल होने की खबर है। स्थानीय शेरिफ कार्यालय ने यह जानकारी दी। बैरो काउंटी शेरिफ कार्यालय ने एक बयान में कहा कि स्कूल को बंद कर दिया गया है और इस सिलसिले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। बयान के अनुसार सुबह लगभग साढ़े दस बजे कई कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारियों और अग्निशमन कर्मियों को कथित गोलीबारी की सूचना के बाद हाई स्कूल भेजा गया। इसके अनुसार कुछ लोगों के घायल होने की खबर है, हालांकि इस संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं मिली है। जॉर्जिया के गवर्नर ब्रायन केम्प ने एक बयान में कहा, ''मैंने अपालाची हाई स्कूल में हुई घटना पर कार्रवाई करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये हैं और सभी जॉर्जियाई लोगों से आग्रह करता हूं कि वे बैरो काउंटी और पूरे राज्य में छात्रों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।'' एफबीआई के अटलांटा कार्यालय ने एक बयान में कहा, ''एफबीआई अटलांटा बैरो काउंटी के अपालाची हाई स्कूल में मौजूदा स्थिति से अवगत है। हमारे अधिकारी स्थानीय कानून प्रवर्तन के साथ समन्वय और सहायता करने के लिए घटनास्थल पर हैं।

भारत में मुंह पर ताला लगाकर बैठें शेख हसीना, नहीं तो...मोहम्मद यूनुस ने दी खुली चेतावनी

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने भारत की ओर से देश पर राजनीतिक टिप्पणी करने के लिए बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर निशाना साधा है। यूनुस ने इसे अमित्रतापूर्ण इशारा बताया। यूनुस के अनुसार, जब तक ढाका उसके प्रत्यर्पण का अनुरोध नहीं करता, तब तक दोनों देशों को असुविधा से बचाने के लिए हसीना को चुप रहना चाहिए। यूनुस ने कहा कि अगर भारत, बांग्लादेश द्वारा हसीना को वापस बुलाए जाने तक उन्हें अपने पास रखना चाहता है तो शर्त यह होगी कि उन्हें (हसीना को) चुप रहना होगा। यूनुस 13 अगस्त की हसीना की टिप्पणियों का जिक्र कर रहे थे, जिसमें उन्होंने न्याय की मांग करते हुए कहा था कि हाल के आतंकवादी कृत्यों, हत्याओं और बर्बरता में शामिल लोगों की जांच की जानी चाहिए और उन्हें दंडित किया जाना चाहिए। यूनुस के मुताबिक, हसीना की टिप्पणियां बांग्लादेश या भारत के लिए अच्छी नहीं हैं। देश में जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और भारत में शरण ली थी। इसके बाद यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया गया। यूनुस ने कहा कि भारत में कोई भी उनके रुख से सहज नहीं है क्योंकि मुकदमा चलाने के लिए उन्हें वापस लाना चाहते हैं। वह भारत में हैं और कुछ

बयान दे रही हैं जो कि समस्या पैदा करते हैं। अगर वह चुप रहतीं, तो हम इसे भूल जाते। लेकिन भारत में बैठकर वह बोल रही हैं और निर्देश दे रही हैं। यह किसी को रास नहीं आ रहा। भारत के साथ द्विपक्षीय समझौतों के भविष्य के बारे में यूनुस ने कहा कि पारगमन और अदाणी बिजली समझौते जैसे कुछ समझौतों पर फिर से विचार करने की मांग की जा रही है। उन्होंने कहा कि हर कोई कह रहा है कि इसकी जरूरत है। हम देखेंगे कि दस्तावेजों पर क्या है और जमीनी हकीकत क्या है। मैं इसका विशेष रूप से उत्तर नहीं दे सकता। अगर समीक्षा करने की जरूरत हुई तो हम इसके बारे में सवाल करेंगे। बीएनपी ने कहा है कि अगर वह सत्ता में आती है तो अवामी लीग शासन के दौरान हस्ताक्षरित संदिग्ध अडानी बिजली सौदे की समीक्षा और पुनर्मूल्यांकन करेगी, क्योंकि यह बांग्लादेश के लोगों पर बहुत अधिक दबाव डाल रहा है।

भारत समेत ये तीन देश ही रूस-यूक्रेन युद्ध में कर सकते हैं मध्यस्थता, राष्ट्रपति पुतिन का बड़ा बयान

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि रूस–यूक्रेन के बीच शांति वार्ता के लिए भारत, चीन और ब्राजील मध्यस्थता कर सकते हैं। गुरुवार को एक कार्यक्रम के दौरान पुतिन ने कहा रूस और यूक्रेन की जंग शुरू होने के एक हफ्ते बाद ही इस्तांबुल में हुई बातचीत में शांतिवार्ता को लेकर एक प्राथमिक समझौते पर सहमति बनी थी, लेकिन इस समझौते को कभी लागू नहीं किया गया। अब अगर फिर से मध्यस्थता की बातचीत शुरू होती है तो इस्तांबुल में हुआ प्राथमिक समझौता इस बातचीत का आधार बन सकता है।

ईस्टर्न इकॉनोमिक फोरम में दिया बयान

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईस्टर्न इकॉनोमिक फोरम के कार्यक्रम में पुतिन ने कहा कि हमारा प्रमुख उद्देश्य यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र को कब्जे में लेना

है। फिलहाल रूसी सेना कुर्स्क से यूक्रेनी सेना को पीछे खदेड़ रही है। रूस–यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को दो साल से ज्यादा का समय बीत चुका है। कई बार रूस यूक्रेन के बीच मध्यस्थता की कोशिश की गई है, लेकिन रूस के इन शांति वार्ताओं में शामिल न होने के चलते इन बैठकों का कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकल पाया। अब खुद पुतिन ने संकेत दिए हैं कि वह बातचीत के लिए तैयार हैं। पुतिन का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब बीते दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के दौरे पर शांति की अपील की थी। बीते महीने ही यूक्रेन दौरे पर भी पीएम मोदी ने शांति की अपील की थी और कहा था कि भारत इसके लिए मदद करने के लिए तैयार है। यूक्रेन ने भी रूस के साथ शांतिवार्ता के लिए भारत की भूमिका को अहम बताया था।

जंग रोकने के लिए पुतिन की हैं ये शर्तें

गौरतलब है कि रूस ने जंग रोकने के लिए जो शर्तें रखी हैं, उसके मुताबिक यूक्रेन को दोनेत्सक, लुहांस्क, खेरसान और जपोरजिया इलाकों से अपने सैनिक हटाने होंगे। साथ ही यूक्रेन कभी भी नाटो का हिस्सा नहीं बनेगा। हालांकि यूक्रेन ने शर्तों को मानने से इनकार कर दिया और यूक्रेन की मांग है कि रूस अपने सभी सैनिकों को यूक्रेन से वापस बुलाए।

मैं उन्हें बिना रुकावट के बोलने दूंगा, हैरिस के साथ होने वाली बहस पर डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में, रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से कमला हैरिस मैदान में हैं। दोनों के बीच अगले सप्ताह बहस होने वाली है। ऐसे में पूर्व राष्ट्रपति का

कहना है कि वह अपनी प्रतिद्वंद्वी हैरिस को बिना किसी रुकावट के बोलने की योजना बना रहे हैं। बता दें, बहस पेंसिल्वेनिया के सबसे बड़े शहर फिलाडेल्फिया में होगी।

बहस दिलचस्प होती हैं

डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को पेनसिल्वेनिया के हैरिसबर्ग में एक टाउन हॉल की बैठक के दौरान कहा, श्मैं उन्हें बोलने दूंगा। बहस दिलचस्प होती हैं। आप अपनी सभी रणनीतियों के साथ जा सकते हैं, लेकिन आपको इसे महसूस करना होगा। एक अमेरिकी टीवी न्यूज चौनल पर 10 सितंबर को दोनों उम्मीदवारों के बीच बहस होगी। यह बहस दोनों के लिए बड़ी परीक्षा है। हालांकि, ट्रंप पहले ही आरोप लगा चुके हैं कि यह टीवी चौनल उपराष्ट्रपति हैरिस के पक्ष में है। बता दें, न्यूज चौनल ने बुधवार को बहस के नियम जारी किए, जिसे दोनों उम्मीदवारों के अभियानों द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। हालांकि, ट्रंप बहस के लिए अपनी योजनाओं को थोड़ा बदलते दिख रहे हैं।

गाजा बार्डर...नेतन्याहू का आया फाइनल आर्डर, 6 बंधकों की मौत के बाद अब क्या नया कदम उठाने जा रहा इजरायल ?

इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू देश और विदेश में भारी दबाव में हैं। उनका कहना है कि वह गाजा में स्थायी युद्धविराम के लिए तभी सहमत होंगे जब इजरायल को मिस्र के साथ गाजा की सीमा पर खुला नियंत्रण दिया जाएगा ताकि हमास कभी भी इसका इस्तेमाल अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए न कर सके। नापाक उद्देश्य. फिलाडेल्फी कॉरिडोर पर नेतन्याहू के रुख से युद्धविराम प्रयासों के पटरी से उतरने का खतरा पैदा हो गया है क्योंकि हमास ने बहु–चरणीय संघर्ष विराम समझौते में गाजा से इजरायल की पूर्ण वापसी की मांग की है। नेतन्याहू ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जब तक गलियारा खुला रहेगा तब तक गाजा का कभी भी भविष्य नहीं हो सकता। आपको यह समझना होगा कि गाजा को हथियार देने, हमास को हथियार देने में फिलाडेल्फी कॉरिडोर की केंद्रीय भूमिका है और यह सब 7 अक्टूबर के नरसंहार का कारण बना, जिसे हमास ने कसम खाई है, गर्व से बार–बार करने की कसम खाई है। मैं एक सौदा करने को तैयार हूं। मैंने एक सौदा पहले ही कर लिया है, एक ऐसा जो 150 बंधकों को वापस लाया, जिनमें से 117 जीवित हैं। और मैं शेष 101 को वापस करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मैं उन्हें

वापस लाने के लिए हर संभव कोशिश करूंगा। लेकिन जा रहा हूं फिलाडेल्फी बंधकों की रिहाई को आगे नहीं बढ़ाता है, क्योंकि सौदा आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है। नेतन्याहू ने कहा कि अगर हम राफा को छोड़ देते हैं, अगर हम फिलाडेल्फी कॉरिडोर को छोड़ देते हैं, तो कोई दबाव नहीं होगा, हमें बंधक नहीं मिलेंगे। तथाकथित फिलाडेल्फी कॉरिडोर का मुद्दा, मिस्र के साथ गाजा की सीमा में एक संकीर्ण क्रॉसिंग, जहां इजरायल का दावा है कि हमास युद्धग्रस्त क्षेत्र में हथियारों की तस्करी करता है, गाजा में लड़ाई को रोकने के लिए एक समझौते को सुरक्षित करने के प्रयासों में एक प्रमुख बिंदु रहा है।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ हत्या के दो और मामले दर्ज किये गये

ढाका । बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ हत्या के दो और मामले दर्ज किए गए हैं जिसके बाद उनके खिलाफ मुकदमों की कुल संख्या 94 हो गई है। मीडिया में आई खबरों में बुधवार को यह जानकारी दी गयी। हसीना (76) ने पिछले महीने इस्तीफा दे दिया था और भागकरभारत चली गयी थीं। अवामी लीग नेता हसीना के खिलाफ अब तक कम से कम 94 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से ज्यादातर मामले सरकारी नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली के खिलाफ छात्रों के व्यापक प्रदर्शन के दौरान हत्याओं से जुड़े हैं। 'डेली स्टार' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, 19 जुलाई को विरोध प्रदर्शन के दौरान ढाका के एक निवासी की हत्या का मामला बुधवार को हसीना और 26 अन्य लोगों पर दर्ज किया गया। मृतक की पत्नी ने ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अफनान सुमी की अदालत में मामला दर्ज कराया, जिन्होंने 'पुलिस ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन' से जांच के बाद रिपोर्ट पेश करने को कहा। इस मामले में पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान, अवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादर और अवामी लीग तथा इसके अग्रणी संगठनों के कई नेता और कार्यकर्ता आरोपी हैं। मृतक की पत्नी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि उसके पति की 19 जुलाई को बांग्लादेश टेलीविजन भवन के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जात्राबाड़ी इलाके में एक छात्र की मौत के मामले में एक अन्य मामला हसीना, पूर्व कानून मंत्री शफीक अहमद, पूर्व अटॉर्नी जनरल एएम अमीन उद्दीन, उच्चतम न्यायालय की वकील तानिया आमिर और 293 अन्य के खिलाफ दर्ज किया गया है।

हथियार एवं शराब मामले में खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री के खिलाफ गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की एक अदालत ने हथियार एवं शराब के मामले में खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर के खिलाफ बुधवार को गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया। अक्टूबर 2016 में उनके खिलाफ यह मामला तब शुरू किया गया था जब पुलिस ने दावा किया था कि पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) नेता गंडापुर के पास से पांच कलाश्निकोव राइफलें, एक पिस्तौल, छह मैगजीन, एक बुलेटप्रूफ जैकेट, आंसूगैस के तीन गोले और शराब की बोतलें बरामद की गई हैं। जब यह मामला दर्ज किया गया था, तब गंडापुर खैबर पख्तूनख्वा में प्रांतीय मंत्री थे और उनकी पार्टी पीटीआई वहां सत्ता में थी। यहां की अदालत की सिविल न्यायाधीश शाईस्ता खान कुंडी ने सुनवाई के लिए पेश नहीं हो पाने पर पुलिस को गंडापुर को गिरफ्तार करने और अदालत में पेश करने का आदेश दिया। अदालत ने स्वास्थ्य के आधार पर पेशी से छूट की मुख्यमंत्री की अर्जी खारिज कर दी और मामले की सुनवाई बृहस्पतिवार तक के लिए स्थगित कर दी। इस साल के प्रारंभ में गंडापुर को अदालती कार्यवाही के दौरान पेश नहीं होने पर भगोड़ा अपराधी घोषित कर दिया गया था लेकिन एक जिला अदालत ने सात मार्च को निचली अदालत के इस आदेश को पलट दिया क्योंकि उनके वकील ने जिला अदालत से कहा कि पीटीआई नेता खैबर पख्तूनख्वा के नये मुख्यमंत्री के रूप में अपनी व्यवस्तता के चलते पेश नहीं हो पाये।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।